दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

बलरामपुर
गुरूवार, 18 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 257 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदते ...8

भारत जो चाहे वो कर सकता है, कभी किसी ने उस पर हमला किया तो...

जी 7 के मंच से मोदी के सामने ट्रंप ने दुनिया को दिया बड़ा मैसेज

पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि हमने हमेशा कहा है कि समुद्री रास्ते से आने–जाने की आजादी पक्की होनी चाहिए और हमें इस बात पर जोर भी देना चाहिए। समुद्री व्यापार के क्षेत्र में दुनिया के अलग–अलग समुद्रों में लाखों भारतीय नाविक काम कर रहे हैं। मेरा मानना ध्है कि उनकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। मुझे भरोसा है कि (ईरान के साथ) समझौते में नाविकों की सुरक्षा पक्की की जाएगी और उसे प्राथमिकता दी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फ्रांस में हमारी कुछ बहुत अच्छी बैठकें हुईं। यह ळ7 है। इसके बाद ळ2 और फिर

ळ20 होने वाली है। खास तौर पर, भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई।

हम ट्रेड डील कर रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच बहुत कुछ हो रहा है। अमेरिका अब तक के सबसे अच्छे दौर से गुजर रहा है। हमारे पास 19.2 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा आ रहे हैं, और हम फैक्टरियाँ बना रहे हैं, हम सब कुछ बना रहे हैं। प्रध ाानमंत्री अमेरिका में बहुत कुछ बना रहे हैं। वह अमेरिका में काफी पैसा खर्च कर रहे हैं, इसलिए हम उनके इस काम की तारीफ करते हैं। लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि वह लंबे समय से मेरे दोस्त रहे हैं, और हमारे रिश्ते हमेशा बहुत अच्छे रहे हैं, और आपके साथ होना बहुत अच्छा लग रहा है।

कश्मीर के बांदीपोरा में बादल फटने से भारी तबाही

सैलाब में डूबे दर्जनों घर और सैकड़ों एकड़ जमीन

उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में नियंत्रण रेखा के पास गुरेज के दूर–दराज इलाके में स्थित तुलाल घाटी के टरटेई किलो गांव में बादल फटने की घटना हुई। अचानक और लगातार पानी गिरने और तेजी से बहते मलबे के कारण गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे दर्जनों रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा और सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बाढ़ जैसे हालात से स्थानीय लोगों में दहशतः बाढ़ जैसे हालात की वजह से स्थानीय लोगों में घंटों तक दहशत का माहौल रहा। लोग अपने बच्चों और जानवरों को बचाते हुए घरों से निकलकर ऊंचे इलाकों की ओर भागने लगे। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले, इसी महीने 4 जून की शाम को जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले के पहाड़ी बाथोई इलाके में बादल फटने की एक और घटना हुई थी, जिसमें कई घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। हालांकि, उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इससे पहले तीन जिलों में बादल फटने की चार घटनाएं हुई थीं

जम्मू क्षेत्र में हाल के दिनों में बादल फटने की यह पांचवीं घटना है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के तीन जिलों डोडा, किश्तवाड़ और पुंछ में बादल फटने की चार घटनाएं हुईं, जिससे कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई और सड़कें बंद हो गईं, हालांकि जान–माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

रांची में आरएसएस दफ्तर पर हमला

बुधवार सुबह रांची में आरएसएस के दफ्तर को नुकसान पहुँचाने की कोशिश में, दो अज्ञात लोगों ने इसके परिसर में पेट्रोल बम फेंके। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार देर रात दो बदमाशों ने ै दफ्तर के परिसर में पेट्रोल से भरी सॉस की बोतलें फेंकने की कोशिश की। हालाँकि, दोनों बोतलें बाउंड्री वॉल तक पहुँचने से ठीक पहले ही गिर गईं। इस घटना में ै दफ्तर को कोई नुकसान नहीं पहुँचा। भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने इसको लेकर कहा कि रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर बीती मध्य रात्रि पेट्रोल बम फेंके जाने की सूचना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में रांची एसपी, डीसी एवं डीजीपी से वार्ता कर दोषियों की शीघ्र पहचान कर गिरफ्तारी का निर्देश दिया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संघ कार्यालय के समीप स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने का निर्देश भी दिया है। आरएसएस जैसे वैचारिक संगठन के कार्यालय पर इस प्रकार का हमला कानून–व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। इस घटना के पीछे क्या उद्देश्य था, इसकी निष्पक्ष और त्वरित जांच कर पूरे मामले का जल्द उद्भेदन किया जाना आवश्यक है। ऐसे कृत्यों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का सनसनीखेज दावा, एसपी के 26 सांसद संपर्क में

महाराष्ट्र में शिवसेना और पश्चिम बंगाल में टीएमसी में चल रही राजनीतिक उथल–पुथल के बीच, उत्तर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने चौंकाने वाला दावा किया है कि समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद अभी पाला बदलने और पार्टी तोड़ने को तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बीजेपी नेताओं का दावा है कि ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे की पार्टियों में फूट के बाद अब अखिलेश यादव की पार्टी की बारी है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कहा कि बीजेपी अभी खुद से एसपी को नहीं तोड़ रही है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों तक, ये नेता आपसी मतभेदों के कारण अपने–आप पार्टी छोड़ देंगे। इससे पहले, राज्य सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा था कि समाजवादी पार्टी में बड़ी फूट पड़ने वाली है। राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र भी सौंपा है। माइनिंग और गोमती रिवर फ्रंट घोटालों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पूरा यूपी इनके मास्टरमाइंड को जानता है और कानूनी कार्रवाई के डर से पूरी **SP, BJ**P में शामिल होने के लिए तैयार है। इस मौके पर यूपी के मंत्री मनोज पांडे ने यह भी तंज कसा कि आज कोई भीं च के साथ नहीं रहना चाहता, जिसने सत्ता में रहते हुए लोगों को दूर कर दिया था। समाजवादी पार्टी ने BJP के इन सभी दावों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और एसपी विधायक माता प्रसाद पांडे ने लखनऊ में पलटवार करते हुए कहा, ओम प्रकाश राजभर खुद एक बड़ा घोटाला हैं।

टीएमसी के बागी सांसदों पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला लेंगे बड़ा फैसला? 19 जून को अभिषेक बनर्जी को बुलाया

नई दिल्ली। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को 19 जून को बातचीत के लिए बुलाया है। यह बातचीत 20 बागी सांसदों और इस मामले पर उनके रुख के बारे में होगी। यह घटनाक्रम विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी झगड़ों के बाद हुआ है। 14 जून को, 20 बागी विध ाायकों ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और एक पत्र सौंपकर अपने गुट का त्रिपुरा–स्थित नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ऑफ इंडिया (छब्ब्) में विलय करने का अनुरोध किया। उन्होंने संसद के निचले सदन में बैठने के लिए अलग व्यवस्था की भी मांग की। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर ओम बिरला 20 बागी सांसदों के मामले की समीक्षा कर रहे हैं और दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। इससे पहले भी उन्हें समन भेजा गया था, लेकिन अभिषेक

बनर्जी उसमें शामिल नहीं हो पाए थे। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, लोकसभा स्पीकर के ऑफिस ने 15 जून को दोपहर 2रू00 बजे बनर्जी को मीटिंग के बारे में ईमेल भेजा था। उस समय बनर्जी से प्रवर्तन निदेशालय पूछताछ कर रहा था, और पूछताछ के दौरान उनके पास अपना मोबाइल फोन या पर्सनल ईमेल देखने की सुविधा नहीं थी। स्पीकर के ऑफिस ने बनर्जी को उसी दिन शाम 4 बजे तक दिल्ली में मिलने के लिए दो घंटे का समय दिया। ईमेल भेजने के एक घंटे के भीतर ही, स्पीकर के ऑफिस ने तय अपॉइंटमेंट के बारे में बताने के लिए तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद से संपर्क किया। इसके बाद कीर्ति आजाद ने स्पीकर के ऑफिस जाकर बनर्जी के न आ पाने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि म्क की चल रही पूछताछ के बीच बनर्जी सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। आजाद ने बाद की कोई तारीख और समय मांगा और दोहराया कि बनर्जी स्पीकर की कार्यवाही में प्पूरी तरह सहयोगष करना चाहते हैं। उम्मीद है कि स्पीकर बागी गुट के विलय के अनुरोध पर विचार करेंगे, जिससे तृणमूल कांग्रेस के भीतर एक नया कानूनी और राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। जहाँ बागी अपने कदम को आधिकारिक मान्यता दिलाना चाहते हैं, वहीं पार्टी नेतृत्व ने अपने सदस्यों को बचाने और अनुरोध की वैधता को चुनौती देने के लिए कदम उठाए हैं। बागी गुट का तर्क है कि छब्ब् के साथ विलय करके उन्होंने संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं किया है।

जी 7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने रखी भारत की विकास नीति

बोले: New Economic Model हो जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक आर्थिक नजरिए में बुनियादी बदलाव की जरूरत पर जोर देते हुए जी 7 शिखर सम्मेलन में अपने भाषण की मुख्य बातें साझा कीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सार्थक विकास के लिए पारंपरिक पैमानों से आगे देखने की जरूरत है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने बताया कि फ्रांस में चल रहे इस बड़े राजनयिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के दौरान, उन्होंने एवियन में जी 7 शिखर सम्मेलन में सभी के लिए संतुलित, साझा और टिकाऊ

आर्थिक विकास को फिर से शुरू करने पर आयोजित आउटरीच सत्र को संबोधित किया। मेजबान देश की ओर से इस विषय पर खास ध्यान दिए जाने की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अच्छी बात है कि फ्रांस की जी 7 अध्यक्षता ने इस विषय को महत्व दिया है।ष दुनिया के मंच पर ज्यादा समावेशी और इंसान–केंद्रित सोच की वकालत करते हुए और पारंपरिक वित्तीय ढांचों को चुनौती देते हुए, पीएम मोदी ने देशों के तरक्की मापने के तरीके में एक अहम वैचारिक बदलाव की बात कही। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा कि आज सच्चाई यह है कि जब विकास की बात आती है, तो सवाल **GDP** या व्यापार के आंकड़ों के बारे में नहीं होना चाहिए। समान अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए भारत की लगातार वकालत पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि नीति–निर्माताओं को वित्तीय तरक्की के मुख्य मकसद पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा असली सवाल यह है – किसके लिए विकास, किसके साथ विकास और किस दिशा में विकास? चल रहे जी 7 शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक कोशिशों को आगे बढ़ाते हुए, पीएम मोदी इस कार्यक्रम के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ एक अहम त्रिपक्षीय बैठक करेंगे।

टूट गई उद्धव की सेना

6 बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को सौंपी चिट्ठी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में आखिरकार फिर से फूट पड़ गई है। पार्टी के छह सांसदों ने बुधवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओमप्रकाश बिरला से मुलाकात की और एक पत्र सौंपकर बताया कि वे एक स्वतंत्र गुट बना रहे हैं। स्पीकर ने आखिरकार इस अलग गुट को मंजूरी दे दी है, जिससे श्ऑपरेशन टाइगरश सफल हो गया है। ये सांसद 19 जून को – जो शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस है – महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो जाएंगे। अलग गुट बनाने वाले छह सांसदों में संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिर्डी), संजय देशमुख (यवतमाल), नागेश पाटिल अष्टिकर (हिंगोली), ओमराजे निंबालकर (धाराशिव) और संजय पाटिल (मुंबई उत्तर–पूर्व) शामिल

हैं। इसके साथ ही, शिंदे की शिवसेना के पास अब 13 सांसदों की ताकत हो जाएगी, जिससे वे छब्। में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाएंगे। ये सभी छह सांसद मंगलवार रात दिल्ली पहुंचे थे ताकि वे एकनाथ शिंदे के साथ बैठक कर सकें। यह बैठक शिंदे के बेटे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के दिल्ली स्थित आवास पर हुई। मंत्री प्रताप सरनाइक और सांसदों के अलावा, इस बैठक में 16 लोगों की कानूनी सलाहकार टीम भी मौजूद थी। शिंदे ने बहुत सावधानी बरती है ताकि उन्हें अयोग्य न ठहराया जाए। इस बीच, शिवसेना ने बुधवार को अपने सांसदों के लिए एक व्हिप जारी किया, जिसमें उन्हें श्महत्वपूर्ण मुद्दोंश पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में एक बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया। इस कदम का मकसद बागी नेताओं के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही का रास्ता साफ करना है। ठाकरे गुट, जिसके पास अब केवल तीन सांसद हैं, ने स्पीकर को पत्र लिखकर मांग की है कि केवल उनकी पार्टी को ही आधिकारिक दर्जा दिया जाए। लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई ने राज्यसभा सांसद संजय राउत के साथ बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कानून के तहत, कोई गुट सिर्फ इसलिए किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकता क्योंकि उसके पास दो–तिहाई सांसदों का समर्थन है।

मेरी सुरक्षा घटाई, राबड़ी देवी का बंगला छीना...

नीतीश कुमार पर लालू यादव ने साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया

राष्ट्रीय जनता दल (त्श्रब्) के प्रमुख लालू प्रसाद ने बुधवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगले से बेदखल करने और परिवार की सुरक्षा कम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। बंगला खाली करने का नोटिस मिलने और परिवार की सुरक्षा कम किए जाने के बाद लालू ने पत्रकारों से कहा कि

हां, हमारी सुरक्षा हटा दी गई है। नीतीश कुमार ने ही यह सब करवाया है। इससे पहले, सिंगापुर से लौटने पर लालू ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सब पागल हो गए हैं। छब्। सरकार नफरत और बदले की राजनीति कर रही है। 10 सर्कुलर रोड वाला बंगला राबड़ी देवी को विपक्ष की नेता होने के नाते आवंटित किया गया था। राबड़ी, लालू और परिवार के अन्य सदस्य दो दशकों से ज्यादा समय से वहाँ रह रहे थे। हालाँकि, पिछले साल छब्। सरकार के सत्ता में आने के बाद, इस घर को खाली करने का नोटिस भेजा गया था। बंगला खाली करने की समय–सीमा 16 जून को खत्म हो गई। इसके बाद राबड़ी देवी ने लालू की सेहत का हवाला देते हुए सरकार से अनुरोध किया कि उन्हें 39 हार्डिंग रोड पर दिए गए वैकल्पिक घर में एक अलग कमरा और जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

टेलीग्राम बैन: मोदी जी, ड्रामा छोड़िए!

राहुल गांधी बोले– माफिया पर वार करें, छात्रों पर नहीं

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को **NEET-UG** पेपर लीक की चिंताओं के बीच टेलीग्राम पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही है। यह कदम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा मंगलवार को भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर एक तय और सीमित समय के लिए रोक लगाने

के बाद उठाया गया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी, जिसमें **NEET-UG** 2026 की दोबारा परीक्षा का दिन और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल है।

एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि टेलीग्राम पर बैन– पेपर लीक रोकने के लिए मोदी सरकार का नया हथकंडा। यानी, चोर को पकड़ने के बजाय, पीड़ित के दरवाजे पर ही ताला लगा दो। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लाखों छात्र सालों से टेलीग्राम पर पढ़ाई कर रहे हैं और पेपर लीक की समस्या का समाधान इस सुविधा को छीनना नहीं है।

सामूहिक भंडारे में दिखी सामाजिक समरसता, सभी समुदायों ने ग्रहण किया प्रसाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज (सिद्धार्थनगर)। डुमरियागंज स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित विशाल भंडारे में सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का संदेश देखने को मिला। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित इस भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान सेवा भाव, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रसाद वितरित किया।स्थानीय लोगों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारा और आपसी सद्भाव मजबूत होता है। भंडारे में विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोगों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं।आयोजकों ने कहा कि समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देना ही ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने इसे सफल और यादगार बना दिया।

कर्मचारियों ने उठाई न्याय की आवाज, निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत कपिलवस्तु में कार्यरत सफाई कर्मियों ने गुरुवार को कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि एक विवाद के मामले में उनकी बात सुने बिना कार्रवाई की जा रही है, जिससे उनमें असंतोष व्याप्त है।प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और सभी पक्षों को सुनकर निर्णय लेने की मांग की। कर्मचारियों का कहना था कि वे लंबे समय से ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं और किसी भी निर्णय से पहले तथ्यों की सही जांच होना आवश्यक है।कर्मचारियों ने विश्वास जताया कि प्रशासन निष्पक्षता के साथ मामले की जांच कर न्याय सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल अपनी बात अधिकारियों तक पहुंचाना और सत्य को सामने लाना है।प्रदर्शन के बाद अधिशासी अधिकारी ने कर्मचारियों की बात सुनते हुए मामले के समाधान का आश्वासन दिया। कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि जांच के बाद सच्चाई सामने आएगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

संदिग्ध अगरबत्तियों की बिक्री रोकने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में मच्छरों से बचाव के नाम पर बेची जा रही कुछ अगरबत्तियों को लेकर .षि विभाग सतर्क हो गया है। जिला .षि रक्षा अधिकारी ने बिना पंजीकरण वाली कीटनाशकयुक्त अगरबत्तियों के भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं।विभाग को जानकारी मिली है कि बाजार में स्ट्रीट नाइट, डायनासोर, श्रींगू किलर और कम्फर्ट ब्रांड नाम से कुछ उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिनमें कीटनाशक डाइमेथ्रिन तथा अन्य रसायनों के उपयोग की आशंका है। इन उत्पादों का बिक्री एवं भंडारण निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाया गया है।जिला .षि रक्षा अधिकारी रवि शंकर चौधरी ने विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि ऐसे उत्पादों की बिक्री तत्काल बंद करें। उन्होंने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान बिना पंजीकरण वाले उत्पाद मिलने पर कीटनाशी अधिनियम–1968 एवं कीटनाशी नियमावली–1971 के तहत कार्रवाई की जाएगी।विभाग ने किसानों और आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपंजी.त कीटनाशक उत्पादों की खरीद और उपयोग से बचें तथा केवल मानक और पंजी.त उत्पादों का ही प्रयोग करें। इससे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

12 लाख तक आय वाले परिवारों की छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने योजना का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया है, जिसके तहत राज्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को स्कूटी उपलब्ध कराई जाएगी।प्रस्ताव के अनुसार जिन छात्राओं के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से कम होगी, वे इस योजना का लाभ पाने की पात्र होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद विभाग ने योजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी है।बताया जा रहा है कि पहले चरण में लगभग 50 हजार छात्राओं को स्कूटी वितरित करने की तैयारी है। वहीं उच्च शिक्षा विभाग विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से आवश्यक आंकड़े भी जुटा रहा है।सरकार का मानना है कि इस योजना से छात्राओं की उच्च शिक्षा तक पहुंच आसान होगी तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। योजना को लेकर छात्राओं और अभिभावकों में उत्साह देखा जा रहा है।

शिवनगर डिड़ई पुलिस द्वारा मिशन शक्तिअभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खेसरहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5 (प्) अभियान के अंतर्गत थाना शिवनगर डिड़ई पुलिस द्वारा महिलाओं को जागरूक करने का अभियान चलाया गया।थाना प्रभारी बृजेश सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने ग्राम सिकटा पहुंचकर महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान, नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराधों से बचाव तथा एंटी रोमियो अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर ठगी या अन्य अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस हेल्पलाइन और संबंधित नंबरों पर संपर्क करें।इस दौरान महिलाओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान लिंक और कॉल से सावधान रहने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने कहा कि महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण सरकार एवं पुलिस की प्राथमिकता है, जिसके लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने पुलिस द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताते हुए ऐसे जागरूकता अभियानों को नियमित रूप से चलाने की मांग की।

बहराइच मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल, दो घंटे तक फर्श पर तड़पता रहा घायल मासूम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल तस्वीर मंगलवार को उस समय सामने आई जब हड्डी रोग विभाग के बाहर एक घायल बालक करीब दो घंटे तक फर्श पर दर्द से तड़पता रहा। परिजन लगातार स्टेचर और उपचार की मांग करते रहे, लेकिन उन्हें समय पर सहायता नहीं मिल सकी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गंभीर रूप से घायल बालक को परिजन इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे। हड्डी रोग विभाग के बाहर पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण मासूम को फर्श पर ही लिटाना पड़ा। इस दौरान वह दर्द से कराहता रहा और परिजन अस्पताल कर्मियों से मदद की गुहार लगाते रहे।घटना को देखकर वहां मौजूद मरीजों और तीमारदारों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और मरीजों को समय पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।घायल बालक की हालत और परिजनों की बेबसी देखकर अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा अस्पताल में मरीजों के लिए बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।यह घटना सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति को उजागर करती है और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

जाति पात भेदभाव समाप्त होना चाहिए:कमल नयन दास,महाराणा प्रताप जयंती समारोह धूम धाम से सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। थारू जनजाति संग्रहालय दीन दयाल शोध संस्थान इमलिया कोडर में ज्येष्ठ तृतीया बुधवार को महाराणा प्रताप जयंती समारोह धूम धाम से सम्पन्न हुआ।अयोध्या मणि राम छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा कि महाराणा प्रताप ने कभी स्वाभिमान से समझौता नहीं किया वह आदर्श पुरुष थे।रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि राम राज्य लाने के लिए जाति पात भेद भाव समाप्त होना चाहिए,विशिष्ट अतिथि कुलपति मां पटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर, रवि शंकर सिंह ने भी महाराणा प्रताप जयंती पर विचार व्यक्त किया।मंच संचालक/आयोजक दीन दयाल शोध संस्थान प्रकल्प जयप्रभा ग्राम के प्रभारी राम .ष्ण तिवारी ने मुख्य अतिथि का सम्मान करते हुए कहा कि कारसेवक आंदोलन में हम लोगों ने मणि राम छावनी में आश्रय लिया था।आयोजक ने थारू बहनों द्वारा गोबर से निर्मित मूर्ति और घड़ी जो उज्जैन से आए कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था, मुख्य अतिथि को भेट किया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा महाराणा प्रताप और नाना जी देशमुख के चित्र पर पर माल्यार्पण किया,थारू बहनों द्वारा झूमर नृत्य करने पर,महंत कमल नयन दास द्वारा सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विधायक पवन पाण्डेय पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री,नगर पालिका अध्यक्ष बलरामपुर धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू,नगर पंचायत पचपेड़वा अध्यक्ष रवि वर्मा ,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोंडा विभाग संघ चालक सौम्य,गैसड़ी भाजपा चुनाव प्रभारी,राम.पाल शुक्ला,प्रताप पांडेय,महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आशुतोष शुक्ला,पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंगल थारू सहित हजारों लोग शामिल रहे।

गेहूं खरीद में फिसड्डी साबित हुआ सिद्धार्थनगर, किसान रहे सरकारी केंद्रों से दूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ दिलाने के दावों के बीच सिद्धार्थनगर में गेहूं खरीद व्यवस्था सवालों के घेरे में है। वर्ष 2025–26 में जिले को 26,500 मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन खरीद सत्र समाप्त होने तक केवल 21,861 मीट्रिक टन गेहूं ही खरीदा जा सका। यानी विभाग निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में विफल रहा।जानकारों का कहना है कि सरकारी खरीद केंद्रों की धीमी प्रक्रिया, भुगतान में देरी और किसानों की समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में किसानों ने खुले बाजार का रुख किया। खुले बाजार में एमएसपी से अधिक कीमत मिलने पर किसानों ने अपना गेहूं निजी व्यापारियों को बेच दिया, जिससे सरकारी केंद्र खाली पड़े रहे।किसानों का आरोप है कि यदि खरीद केंद्रों पर बेहतर व्यवस्था, समय पर भुगतान और पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जातीं तो लक्ष्य आसानी से पूरा हो सकता था। जिले में खरीद लक्ष्य पूरा न होना .षि विभाग और खरीद एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहा है।हालांकि विभागीय अधिकारी मौसम, उत्पादन में कमी और बाजार भाव अधिक होने को वजह बता रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि जब किसानों को सरकारी खरीद केंद्रों तक आकर्षित ही नहीं किया जा सका तो समर्थन मूल्य योजना का वास्तविक लाभ कितने किसानों तक पहुंच पाया। जिले में लक्ष्य से करीब 4,639 मीट्रिक टन कम खरीद होना सरकारी दावों की पोल खोल रहा है।

छत पर सो रहे युवक की गला रेतकर हत्या, तीन नामजद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्हा शुमाली टोला पिपरहवा में एक 23 वर्षीय युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी बुधवार सुबह तब हुई, जब युवक की मां उसे जगाने छत पर पहुंची और खून से लथपथ शव देखकर चीख पड़ी।मृतक की पहचान मुकेश गुप्ता (23) पुत्र रामदेव गुप्ता के रूप में हुई है। वह कुछ दिन पहले मुंबई से घर लौटा था। मंगलवार रात खाना खाने के बाद छत पर सोने गया था। सुबह उसका शव छत पर मिला। गले पर धारदार हथियार के वार के निशान थे, जबकि शरीर पर भी चोट के कई निशान पाए गए।सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर तिवारी लोध, शुक्ला लोध और रमेश लोध के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

विकासखंड खेसरहा में मनरेगा में १४८ मजदूरों की फर्जी हाजिरी का आरोप, जांच की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश / शशांक मिश्रा

खेसरहा। विकास खंड खेसरहा की ग्राम पंचायत बनकटा प्रथम में मनरेगा कार्यों में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। आजाद अधिकार सेना के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (पूर्वांचल) जितेंद्र कुमार पांडेय ने एनएमएमएस (NMMS) ऐप के माध्यम से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने और फर्जी मस्टर रोल जारी किए जाने का आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत की है।शिकायतकर्ता के अनुसार ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत संचालित कार्य "ब्रह्मानंद के घर के पास गड्ढे की खुदाई" में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। आरोप है कि 1 जून से 8 जून 2026 के बीच जारी मस्टर रोल संख्या 1143 से 1157 में एनएमएमएस ऐप पर 148 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज की गई, जबकि मौके पर केवल 12 से 15 मजदूर ही कार्य करते दिखाई दिए। शिकायत में यह भी कहा गया है कि 5 जून से 8 जून के बीच कार्यस्थल पर कोई मजदूर मौजूद नहीं था, इसके बावजूद प्रतिदिन 148 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज कर फोटो अपलोड किए गए।जितेंद्र कुमार पांडेय ने निदेशक ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा आयुक्त लखनऊ, जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर तथा डीसी मनरेगा को ई–मेल के माध्यम से शिकायत भेजकर मामले की शिकायत की जानकारी मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी और यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी : विकास चौधरी ,पंचायत विकास अधिकारी

उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने एनएमएमएस ऐप पर अपलोड तस्वीरों का वास्तविक मजदूरों से मिलान कराने तथा उपस्थिति दर्ज करने में इस्तेमाल मोबाइल और डिवाइस की तकनीकी जांच कराने की भी मांग उठाई है।

सेंध काटकर घर में चोरी, लाखों के जेवर और सामान ले उड़े चोर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत नगरा में मंगलवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात और घरेलू सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार के लोग गर्मी के कारण छत पर सो रहे थे।जानकारी के अनुसार गोरख उर्फ राजाराम पुत्र संतराम का परिवार रात में घर की छत पर सो रहा था। इसी दौरान चोरों ने घर के पीछे सेंध काटकर अंदर प्रवेश किया और पीली धातु का मंगलसूत्र, झाला तथा शादी–विवाह में उपयोग होने वाले बर्तन समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए।बुधवार सुबह घटना की जानकारी होने पर परिवार के होश उड़ गए। पीड़ित ने चोरी गए सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गायत्री परिवार द्वारा आयोजित की गई कृषि सुधार कार्यशाला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। ग्राम बैरिहवा में संपन्न राष्ट्र जागरण यज्ञ में एक किसान कार्यशाला आयोजित की गई, जिसे गायत्री परिवार के .षि सुधार के अंतर्गत प्रा.तिक–आर्गेनिक .षि पर विशेष बल दिया गया।कार्यशाला को क्षेत्र के बड़े किसान भारत सरकार द्वारा संचालित रानी लक्ष्मी बाई .षि विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त प्रा.तिक आर्गेनिक .षि जनपद बलरामपुर के मास्टर ट्रेनर अंगद प्रसाद प्रजापति द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई।देव संस्.ति विश्वविद्यालय के ग्राम प्रबंधन विभाग से प्रशिक्षित और सेवा निवृत्त कानूनगो श्रद्धेय गुलाब चंद भारती जी ने भी संबोधित किया.स्मार्ट .षि व रोजगार सृजन,बीज वितरण में सहभागिता, जीरो बजट गो उत्पाद आधारित .षि, और प्रशिक्षण–तकनीकी जानकारी इस कार्यशाला के प्रमुख विषय थे। इस कार्यशाला में संदीप वर्मा, रामराज चौधरी, जगदीश चौधरी, दुखहरन कनौजिया, उमेश चौधरी, शिव बहादुर कश्यप, शेष राम चौधरी नाव डीह, भानु कनौजिया, डम्पू साहू, श्यामराज चौधरी, राजेंद्र पांडे , पिंटू चौधरी हरैया चन्द्रसी, जमादार जोगिनिया, दीनानाथ गुप्ता, कपिल चौधरी और प्रमोद चौधरी संतकबीर नगर जैसे बड़े किसानों की उपस्थिति सराहनीय रही।

विशेश्वरगंज और पयागपुर को मिली बड़ी राहत, अब वन विभाग के लिए नहीं जाना पड़ेगा भिनगा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिले के विशेश्वरगंज और पयागपुर क्षेत्र के लोगों को बड़ी प्रशासनिक राहत मिली है। मुख्यमंत्री की स्वी.ति के बाद दोनों विकासखंडों को वन विभाग के वन प्रभाग श्रावस्ती से अलग कर वन प्रभाग बहराइच में शामिल कर दिया गया है।अब तक इन क्षेत्रों के लोगों को वन विभाग से संबंधित कार्यों के लिए श्रावस्ती जनपद के भिनगा स्थित कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत आती थी। नए आदेश के बाद वन विभाग के सभी आवश्यक कार्य बहराइच में ही संपन्न हो सकेंगे।इस निर्णय से क्षेत्रीय निवासियों, किसानों, वनाधिकार से जुड़े लाभार्थियों तथा वन विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। स्थानीय लोगों ने शासन के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है।विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी, आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा तथा वन विभाग की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।क्षेत्रवासियों के अनुसार यह निर्णय न केवल सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि बहराइच और आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्यों को भी नई गति प्रदान करेगा।

आंधी से ठप हुई बिजली व्यवस्था, 62 गांवों के 60 हजार लोग रहे परेशान रातभर चला मरम्मत कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ (सिद्धार्थनगर)। मंगलवार दोपहर आई तेज आंधी ने शोहरतगढ़ क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। परसिया विद्युत उपकेंद्र से जुड़े बरगदवा और करौती फीडर में कई स्थानों पर पोल क्षतिग्रस्त होने और तार टूटने से 62 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे करीब 60 हजार से अधिक लोगों को भीषण गर्मी और उमस के बीच भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।बरगदवा फीडर के लगभग 50 और करौती फीडर के 12 गांव प्रभावित रहे। बिजली न होने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई, जबकि बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ा।आंधी के बाद विद्युत विभाग की टीम ने तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया। अवर अभियंता राजेश साहनी स्वयं कर्मचारियों के साथ मौके पर मौजूद रहे और क्षतिग्रस्त पोलों व तारों को दुरुस्त कराने में जुटे रहे। विभागीय टीम देर रात तक कार्य करती रही और बुधवार सुबह पुनः तेजी से मरम्मत कार्य शुरू किया गया।राजेश साहनी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। मौसम अनुकूल रहने पर जल्द ही सभी गांवों में विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

पंचायत सहायकों ने एडीओ पंचायत को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। बर्डपुर ब्लॉक परिसर में बुधवार को एडीओ पंचायत को क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायत में कार्यरत पंचायत सहायकों ने चार सूत्री ज्ञापन सौंपकर समस्या समाधान कराने की मांग की। पंचायत सहायकों ने कहा कि ग्राम पंचायत में प्रतिदिन काम करने वाले पंचायत सहायक पूरे दिन विभाग के निर्देश के क्रम में कार्य का संपादन करते हैं, उन्हें प्रतिदिन विभागीय काम के अलावा कोई अन्य कार्य करने का मौका नहीं मिलता। अल्प मानदेय मिलने से तमाम तरह की दुश्वारियां का सामना उन्हें करना पड़ता है। इसलिए मानदेय को दैनिक कुशल मजदूरी के अनुसार धनराशि का निर्धारण किया जाए, साथ ही यह भी कहा कि मानदेय भुगतान में हो रही देरी की समस्या का भी निस्तारण हो और पंचायत सहायकों का शोषण बंद किया जाए। पंचायत सहायकों के निष्कासन में जिलाधिकारी की अनुमति अनिवार्य की जाए। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नसीम , मोहित पटेल, सत्येंद्र,रीना, गोल्डी, सरिता, प्रमोद, अंशिका, नसीमा, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले में उमड़ी भीड़, सांसद जगदंबिका पाल ने बांटे प्रमाण पत्र,सुनीं समस्याएं,बताई योजनाये

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को ब्लॉक सदर परिसर में जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख श्रीमती रेनू मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और विकसित भारत का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए ऐसे शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सांसद ने जनपद के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रस्तावित शामली एक्सप्रेसवे तथा खलीलाबाद–बहराइच नई रेल लाइन परियोजना से सिद्धार्थनगर के विकास को नई दिशा मिलेगी। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधाएं बेहतर होंगी तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस दौरान सांसद ने पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत कार्ड, पोषण पोटली एवं टूल किट वितरित की। वहीं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) के चेक भी प्रदान किए गए। उन्होंने लाभार्थियों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों पर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ा गया। स्वास्थ्य मेले में लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, खंड विकास अधिकारी सर्वेश मोहन, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश मिश्रा, प्रधान संघ अध्यक्ष गंगा मिश्रा, रमेश मणि त्रिपाठी, अनुराग श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विभिन्न योजनाओं के लाभ वितरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार के साथ हुआ।

किसान दिवस में गूंजी किसानों की समस्याएं, डीएम ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में बुधवार को लोहिया कला भवन में किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत उप कृषि निदेशक राजेश कुमार द्वारा पिछली किसान दिवस बैठक की कार्यवाही पढ़कर की गई। उन्होंने बताया कि पिछली बैठक में प्राप्त अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है। किसानों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि किसान अपनी समस्याएं लिखित रूप में प्रस्तुत करें, जिससे उनका प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान कराया जा सके। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को किसान दिवस में स्वयं उपस्थित रहने और किसानों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने का निर्देश दिया। बैठक में किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, बिजली बिल, बीज एवं दवा की उपलब्धता, सिंचाई व्यवस्था तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने फसल बीमा योजना के लाभार्थियों के खातों में क्षतिपूर्ति राशि शीघ्र प्रेषित कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों को संबंधित विभागों को प्रेषित कर उनका निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में उप कृषि निदेशक राजेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय, एआर कोऑपरेटिव, सहायक निदेशक मत्स्य, अधिशासी अभियंता विद्युत नौगढ़ ज्ञान प्रकाश, किसान यूनियन के पदाधिकारी, किसान एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ, योजनाओं की दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को लोहिया कला भवन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित विकास प्रदर्शनी एवं विभिन्न विभागों के स्टॉलों का उद्घाटन विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के पश्चात जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जो पात्र लाभार्थी अभी तक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उनका पंजीकरण कराकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के साथ–साथ पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा नवजात बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी.एस. यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया।

गांवों में विकास की रफतार तेज, कापिया बुकनिहा ग्रांट में विधायक ने की कई घोषणाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर । सदर विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत कापिया बुकनिहा ग्रांट में बुधवार को आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए गांव के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि गांवों के विकास के लिए सरकार सड़क, बिजली, रोजगार सहित मूलभूत सुविधाओं पर लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि बुकनिहा ग्राम पंचायत में सीसी सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इसके अलावा गांव में छठ घाट का निर्माण कार्य कराया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग पर ग्राम सभा में तीन स्ट्रीट लाइट और दो हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य जल्द पूरा कराया जाएगा। विधायक ने अपनी निधि से 300 मीटर सीसी सड़क तथा बुकनिहा से मिश्रडीह तक 500 मीटर पक्की सड़क निर्माण कराने की घोषणा भी की ।विधायक ने कहा कि सरकार की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंच रहा है। उनके कार्यकाल में क्षेत्र के गांवों में लगातार सड़क और अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं। विकास कार्यों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। ग्राम प्रधान राम नरेश यादव ने कहा कि गांव के पश्चिम दिशा में सीसी मार्ग निर्माण की मांग विधायक से की गई थी, जिसे उन्होंने तत्काल पूरा कराने की पहल की। साथ ही हाई मास्क लाइट और अन्य मार्गों की सौगात मिलने से ग्रामीणों में खुशी है ।कार्यक्रम को प्रदीप कमलापुरी, हरिराम निषाद और राम दास मोर्य ने भी संबोधित किया। संचालन ग्राम पंचायत सचिव अभिनव ओझा ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नवल किशोर, सिद्दीक खान, केसारी, अब्दुल कयूम, कृष्ण कुमार, मुक्तनाथ यादव, नईम, रमजान, परशुराम, ध्रुव कुमार, मोतीलाल, जवाहिर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निरर्थक अक्षरों के नाम पर लाखों का भुगतान! भनवापुर की पंचायतों में वित्तीय गड़बड़ी के आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश सच्चिदानन्द मिश्रा

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। ग्रामीण विकास के लिए मिलने वाले सरकारी धन के उपयोग को लेकर भनवापुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत अमौली और देवरिया में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर लाखों रुपये के भुगतान आदेश जारी किए गए, लेकिन कार्यों का विवरण दर्ज करने के बजाय भुगतान के उद्देश्य वाले कॉलम में निरर्थक और अर्थहीन अक्षर लिख दिए गए। श्मेरी पंचायतश ऐप से प्राप्त अभिलेखों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025–26 में आयुष ट्रेडिंग कंपनी के पक्ष में कई भुगतान किए गए। हैरानी की बात यह है कि भुगतान आदेशों में कार्य का उद्देश्य बताने के स्थान पर ष्ळकिककष, ष्सरहीषि, ष्ज्ञ•हीरनहष, ष्थकिदइउष जैसे अर्थहीन शब्द दर्ज किए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना स्पष्ट कार्य विवरण के भुगतान जारी होना सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। अमौली ग्राम पंचायत में विभिन्न मदों से लाखों रुपये के भुगतान किए गए, जबकि देवरिया ग्राम पंचायत में भी इसी प्रकार के कई संदिग्ध भुगतान सामने आए हैं। आरोप है कि इन भुगतानों पर तत्कालीन सचिव जय प्रकाश के डिजिटल हस्ताक्षर दर्ज हैं। दिलचस्प बात यह है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में नए सचिव की नियुक्ति के बाद जारी भुगतान आदेशों में कार्यों का स्पष्ट विवरण दर्ज किया गया है। इससे पूर्व में हुए भुगतानों पर और अधिक सवाल खड़े हो गए हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनकी मांग है कि संबंधित कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाए,

अभिलेखों की जांच की जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं ग्राम प्रधान पुजारी ने मामले पर फोन पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए मुलाकात के बाद बात करने की बात कही। खंड विकास अधिकारी बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने कहा कि शिकायत की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। सचिव प्रभाकर सोनी ने कहा कि संबंधित भुगतान का विवरण देखने के बाद ही वह कोई जानकारी दे सकेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने भी मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब सभी की निगाहें प्रशासनिक जांच और उसके परिणाम पर टिकी हैं।

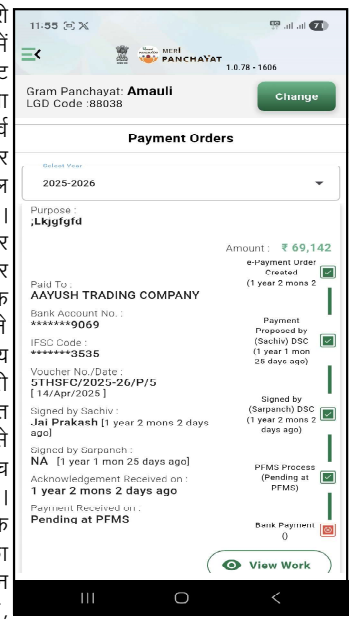

भनवापुर सिकटा में गौसेवा धाम गौशाला का भूमिपूजन वृक्षारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड भनवापुर के ग्राम सिकटा में स्थित गौसेवा धाम गौशाला के निर्माण कार्य का शुभारंभ विधिवत भूमिपूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में गौसेवा, ग्रामीण विकास और प्रकृति संरक्षण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई ।भूमिपूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ। इसके उपरांत परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में साकेत सिंह, यदुनाथ चतुर्वेदी, आचार्य बृजेश पाठक, कमलेश पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश यादव, राजनारायण सिंह, मिक्की यादव, रमन सिंह, गोलू सिंह, राजेन्द्र भारती, पप्पू भारती, विभोर चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।आचार्य बृजेश पाठक ने कहाश्रीराम जानकी गुरुकुलम के संस्थापक आचार्य बृजेश पाठक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता को विशेष स्थान प्राप्त है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि समाज और पर्यावरण के संतुलन का भी महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि गौशाला के निर्माण से निराश्रित एवं असहाय गोवंश को संरक्षण मिलेगा तथा युवाओं में सेवा और संस्कार की भावना विकसित होगी। वृक्षारोपण को भी उन्होंने मानव जीवन के लिए आवश्यक बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया ।सच्चिदानंद मिश्रा ने कहा कि जन कल्याण समिति के संस्थापक सचिव सच्चिदानंद मिश्रा ने कहा कि समिति वर्ष 2014 से गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। सिकटा में स्थापित होने वाला गौसेवा धाम क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा, जहां गोवंश की सेवा के साथ जैविक खेती, पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौशाला निर्माण में जनसहयोग सबसे बड़ी शक्ति है और सभी लोगों के सहयोग से यह सेवा कार्य आगे बढ़ेगा ।दिनेश चतुर्वेदी ने कहा कि गौसेवा धाम के संस्थापक दिनेश चतुर्वेदी ने कहा कि उनका उद्देश्य निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश को

सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि गौशाला में गोवंश के लिए चारा, पानी, चिकित्सा एवं संरक्षण की समुचित व्यवस्था विकसित की जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों, ग्रामीणों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गौसेवा के इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने गौसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। भूमिपूजन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

सम्पादकीय

वहीं दूसरी ओर नशीले पदार्थों के सेवन के खतरे का सामना कर रहे युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी जरूरत होगी। यह भी कि मानसिक तनाव से मुक्ति के लिये मनोरंजन के अवसर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। निस्संदेह, महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा के क्रम में हिमाचल सरकार का यह प्रयोग एक महत्वपूर्ण सच को सामने लाता है कि स्थायी ...

पंचायतें बन रही हैं बदलाव की वाहक

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान 'चिट्टा–मुक्त गांव' में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति शृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं। इसके अलावा बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और काम को बेहतर ढंग से करने के लिये जरूरी दिशा–निर्देश भी दिये जा सकते हैं। यह भी हकीकत है कि पेशेवर अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद के बिना गांवों की चुनी हुई संस्थाओं के द्वारा नशे की समस्या से पूरी तरह निपट पाना संभव नहीं है। इसके साथ ही सरकार को नशा–मुक्ति केंद्रों को सशक्त बनाने की भी जरूरत होगी। इसके अलावा नशे पर शिकंजा कसने के लिये जरूरी होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाए। वहीं दूसरी ओर नशीले पदार्थों के सेवन के खतरे का सामना कर रहे युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी जरूरत होगी। यह भी कि मानसिक तनाव से मुक्ति के लिये मनोरंजन के अवसर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। निस्संदेह, महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा के क्रम में हिमाचल सरकार का यह प्रयोग एक महत्वपूर्ण सच को सामने लाता है कि स्थायी बदलाव सरकारी दफ्तरों से नहीं बल्कि हकीकत में गांव से ही शुरू हो सकता है। जहां ग्रामीणों की सामूहिक जिम्मेदारी नशे की लत दूर करने के लिये एक मजबूत इलाज बन सकती है। यदि पंचायतों को पर्याप्त संसाधन व मदद मिले तो पंचायतें भी बदलाव लाने और मौजूदा पीढ़ी के स्वास्थ्य की रक्षा करने वाली ताकत बन सकती हैं।

बेरोजगारी है तो क्या पॉजिटिव बने रहिए

अगर सुपर पॉजिटिविटी लानी हो तो अभी हाल शुरू हुआ फीफा फुटबॉल शो देखते रहें। दिन तो दिन, रात भी अच्छे से गुजर जाएगी। पेट गुड़गुड़ाता रहेगा पर चेहरे पर एक भी शिकन न आएगी। बेरोजगार भाइयों मलूका जी की सुनिये। कह गए हैंकृ अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम...। इसलिए मुंह लटकाए मत रहिए। पॉजिटिव सोच रखिए। अपने चारों तरफ नजर घुमाइये। पेट भरने का कोई न कोई जरिया मिल ही जाएगा। घर में बैठे रहने से कुछ होने जाने वाला नहीं। कम से कम बाजार में बेफिक्र घूम तो सकते हैं। वहां वैरायटी के चेहरे देखने को मिलते हैं। लेकिन मुस्कुराता चेहरा न दिखता। और क्यों दिखे? बाजार में तो देखने की बहुत–सी चीजें होती हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इतना हो हल्ला मचता है कि आवाजें गड्डमड्ड हो जाती हैं। किसी का चीत्कार, किसी की हुंकार, किसी की पुकार और किसी की हंसी तक सुनाई नहीं देती। सब गड्डमड्ड झालमूड़ी हो जाता है। इस सारी आपाधापी में आदमी भूल ही जाता है कि वह बाजार में क्यों घूम रहा है? बाजार में रहस्य है। पता ही नहीं चलता कि कब ध ानिया मिर्च के भाव बढ़े और कब आलू–टमाटर के भाव घटे। राई की बात तो करिए ही मत। रात में ही भाव उतरते–चढ़ते हैं। जैसे कि हर सेकंड शेयर के भाव बदलते हैं। सेंसेक्स उठता और फिर गिरता है। कभी बाजार का बुल गुस्से में गर्म–गर्म सांसें छोड़ता है तो कभी निढाल–सा पड़ा दिखता है। मानो गया। मगर ऐसा नहीं है। वह तो अजर–अमर है। फिलहाल आईपीएल खत्म हुआ मेंस वाला। और तुरंत ही वीमन वाला शुरू हो गया। बेरोजगारों को जिंदा रहने का जरिया मिल गया। पेट पॉट छोड़िए। पेट की कौन पूछ रहा है? सभी सीने की बात करते हैं आजकल। खाली पेट हो तो भी सीना बत्तीस का तो रहता ही है। बत्तीस मिनिमम साइज है। आम आदमी के सीने का। पर कुछ सीने के इस साइज को बढ़ा लेते हैं। बत्तीस से छत्तीस हो सकता है। और भी ज्यादा छत्तीस से चालीस तक। इसके आगे कह नहीं सकते। सीने के विवाद में फंसना नहीं चाहते। कारण कि बेरोजगार क्या खाकर बहस करेंगे। जब तक पेट में दाना न हो तो भजन कैसे हो? भरपेट ही कोई बहस कर सकता है। खैर, पॉजिटिव बने रहने के लिए बाजार से अच्छी कोई जगह नहीं। यहां आप दूसरे बेरोजगारों से अपने को कम्पेयर कर सकते हैं। उनके शर्ट–पेंट, उनके जूते–चप्पल और टाई वगैरा से। उनके माथे पर पड़ी सिलवटों से। सिलवटों वाला कोई न कोई तो मिल ही जाता है। उसके अलावा क्रिकेट तो है ही। चलता रहता है साल के तीन सौ पैंसठ दिन। और अगर सुपर पॉजिटिविटी लानी हो तो अभी हाल शुरू हुआ फीफा फुटबॉल शो देखते रहें। दिन तो दिन, रात भी अच्छे से गुजर जाएगी। पेट गुड़गुड़ाता रहेगा पर चेहरे पर एक भी शिकन न आएगी।

अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण ...

कोर्ट ने समाज को सोच बदलने को इशारा किया है। घर की जीवन रेखा स्त्री का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी कमी खले। वास्तव में उसका मूल्य को तभी से प्रतिष्ठा मिले, जब वह बिना पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को जीवंत करती हो। कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी। अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा। भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृ

तिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है। सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं। सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे–धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया। अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है। यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेत की तरह पढ़ता है। क्योंकि किसी होममेकर का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी अनुपस्थिति दर्ज की जाए।

अपने हक के लिए जीवटता का संघर्ष

{ उनकी बात को फिर से दोहराते हुए: 'जब मैं ओलंपिक्स से लौटी, तो मैं परिवार के साथ नहीं रहना चाहती थी। फिर हमारी जिंदगी में क्रिधव (बेटा) आया. .. अगर मैं प्रशिक्षण ले रही हूं, तो उसके लिए कर रही हूं। जब वह बड़ा होगा, तो मुझसे क्या सीखेगा... यही बात मुझे प्रेरित करती है... जब वह 5 साल का होगा, तब भी मैं कुश्ती के रिंग में होना चाहूंगी.. अगर वह मुझे कुश्ती लड़ते हुए ... }

विनेश फोगाट का संघर्ष सफलता–असफलता, उम्मीद–निराशा के बीच झूलते हुए भी हथियार न डालने की मिसाल है। एक ऐसी महिला जो हालात, उम्मीदों और उन संस्थाओं से लगातार जूझ रही है जिनका मकसद उसे आगे बढ़ाना और सहारा देना था। हालात बेशक उनके पक्ष में नहीं, लेकिन उनमें कुश्ती की दुनिया के लिए संभावनाएं बाकी हैं।

बैर निकालने पर उतारू दुनिया से मिले घावों को भरने को कृतसंकल्प चित्त असंभव को भी संभव कर सकता है। इकतीस साल की विनेश फोगाट एक ऐसी ही मिसाल हैं। उनकी जिंदगी की कहानी किसी गल्प कहानीकार तक को यह सोचने पर मजबूर कर दे कि सफलता–असफलता, उम्मीद–निराशा के बीच झूलते हुए भी हथियार न डालने का क्या मतलब होता है। उनकी कहानी एक ऐसी महिला की है जो हालात, उम्मीदों, बदकिस्मती और उन संस्थाओं से लगातार जूझ रही है, जिनका काम उन्हें आगे बढ़ाना था।

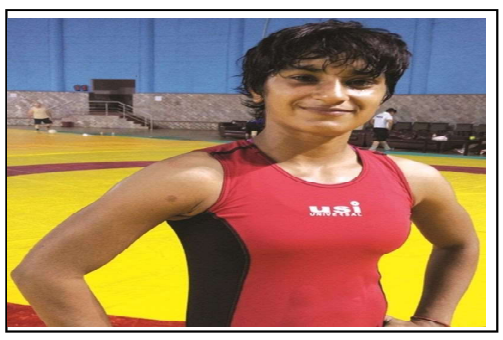

सालों के कड़े प्रशिक्षण, अपने भार–वर्ग में बने रहने के लिए वजन पर लगातार अंकुश रखने की वजह से तराशा हुआ उनका चेहरा उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी का रूप प्रस्तुत करता है, जिसके अंदर अभी भी जीत की भूख है और जो अपने लक्ष्यों को पाने के लिए जी–जान से दृढ़संकल्प है। यह चेहरा केंद्रित ध्यान, पक्के इरादे और चुनौतियों का सामना करने वाले का है। यह उनके मानस की झलक दिखाता है, और उनके शब्द : 'मैं इस कुश्ती के गद्दे पर वापस आऊंगी'– जो उन्होंने पिछले महीने अपनी वापसी वाला कुश्ती मुकाबला हारने के कुछ ही सेकंड बाद कहे थे, एक ऐसी आत्मा की अभिव्यक्ति, जो जख्मी तो है लेकिन झुकी नहीं है। सोचिए, वापसी की अथक तैयारी करना, नवजात बच्चे को आंचल में भरकर रखने के जिंदगी के बेशकीमती पलों का मोह तजना, और फिर प्रतियोगिता की पूर्व–संध्या पर यह पता चलना कि आपको प्रतियोगिता में भाग लेने के अयोग्य करार दिया गया है। पेरिस ओलंपिक के उस दुखद दिन के लगभग दो साल बाद, जब मात्र 100 ग्राम ज्यादा वजन ने उन्हें स्वर्ण पदक जीतने के मौके से वंचित कर दिया था और प्रतियोगिता में उनके शानदार अभियान का दुखद अंत हुआ था, आखिरकार वह फिर से प्रतियोगिता के लिए तैयार थीं। जगह थी गोंडा, जोकि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का राजनीतिक और कुश्ती का गढ़ है– वही व्यक्ति जिन पर विनेश और कई साथी पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। वहां मिला यह झटका अधिकांश एथलीटों के संकल्प को तोड़ने के लिए काफी था। लेकिन विनेश के लिए नहीं। तीन कॉमनवेल्थ खेल स्वर्ण पदक, एक एशियन खेल स्वर्ण पदक, एक एशियन चौंपियनशिप स्वर्ण पदक और दो विश्व चौंपियनशिप कांस्य पदक जीतने वाली इस पहलवान का रिकॉर्ड, उन्हें अब तक की सबसे महान भारतीय महिला पहलवानों में से एक बनाता है। पेरिस की घटना के बाद, विनेश ने कुश्ती से संन्यास की घोषणा की और उस खेल को अश्रुपूर्ण विदाई दी जो उनकी जिंदगी में एक बड़ा हिस्सेदार रहा। पेरिस का उनका सफर बहुत अच्छी तरह दर्ज है। यह साहस, त्याग और अटूट इच्छाशक्ति से भरा एक अभियान था, जो उन्हें ओलंपिक में कामयाबी के बहुत करीब ले गया। शरीर से न घट सके उस अतिरिक्त 100 ग्राम वजन ने उन्हें भावनात्मक रूप से तोड़ दिया था। 'इंडियन एक्सप्रेस' में निहाल कोशी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा रू 'उसके बाद तो मौत ही है, आगे कुआं... पीछे खाई'।

इंसाफ की उनकी पुकार और आवाज उठाने की हिम्मत ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। वह एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हुईं, विधानसभा चुनाव जीता, मां बनीं, फिर भी रेसलिंग मैट रूपी गोद और जड़ के बिना खुद को अनाथ महसूस किया। ताजिंदगी विनेश ने मुश्किलों का सामना किया, उन्हें ललकारा और ऐसी ताकत के साथ उन पर जीत हासिल की जो दुनिया में कम ही देखने को मिलती है। एक रूढ़िवादी, पुरुष–प्रधान समाज की बंदिशों, कम उम्र में पिता को खो देना, मां के कैंसर से संघर्ष से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचाइयां पाने तक के उनके सफर को देखिए। इसमें ताकतवर व्यवस्था के खिलाफ उनकी उस निडर आवाज को भी जोड़ दें, जो उनके खेल के भविष्य को तय कर सकती थी, तब उनके फौलादी इरादों की तारीफ किए बिना नहीं रहा जा सकता, जोकि उनका चारित्रिक गुण है। खेल में कामयाबी पाने के लिए शरीर को तकलीफें सहने के काबिल बनाया जा सकता है, लेकिन बैर निकालने को तुले माहौल के दबाव के बीच मन को अडिग और मजबूत बनाए रखना कहीं ज्यादा मुश्किल काम है, क्योंकि ऐसा माहौल इंसान के इरादों को तोड़ देता है। उनके मन और जज़्बे में ऐसा क्या है जो उन्हें रिवायती सोच और ढर्रा तोड़कर बाहर निकलने की हिम्मत देता है? वह बच्ची थीं, जब उनके पिता की हत्या कर दी गई थी और उनकी मां को कैंसर से जूझना पड़ा। पेरिस ओलंपिक से पहले, अपने विरोध–प्रदर्शन के दौरान उन्होंने खुद कहा था रू 'अगर एक अकेली महिला (उनकी मां), जो पढ़ी–लिखी नहीं थीं, अकेले समाज से लड़ सकती है और हमें बड़ा पहलवान बना सकती हैं, तो हम भी ऐसा कर सकते हैं। मैंने पदक जीते, यह तो ठीक है, लेकिन अगर हम यह लड़ाई जीतते हैं, तो वह गर्व से कहेंगी, 'मैंने ही इन्हें जन्म दिया है'। तीन साल बाद, वह फिर से उसी विशेष विद्रोही तेवर के साथ लौटी हैं। अगर उनकी मां उनकी प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत हैं तो उनका एक साल का बेटा उस काम को करने की हिम्मत दे रहा है, जिसे बहुत से लोग लगभग नामुमकिन मानते हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों से टोल नहीं ट्रांजिट फीस लेगा ईरान, क्या है इसका मतलब?

हर दिन, फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारी मात्रा में कच्चे तेल,परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का वहन होता है। इस जलमार्ग में होने वाला कोई भी व्यवधान दुनिया भर के ऊर्जा बाजारों को प्रभावित करता है। अब, महीनों से चले आ रहे अमेरिका–ईरान संघर्ष के बाद जब यह जलमार्ग फिर से खुलने की ओर बढ़ रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि होर्मुज स्थायी रूप से टोल–फ्री (कर–मुक्त) रहेगा। दूसरी ओर, ईरानी अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वाणिज्यिक जहाजों को अभी भी पारगमन के दौरान दी जाने वाली सेवाओं से जुड़े भुगतान करने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें बहुत कुछ दांव पर लगा है। दुनिया भर में होने वाले पेट्रोलियम शिपमेंट का लगभग पांचवां हिस्सा और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) के निर्यात का लगभग एक–चौथाई हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है।

क्या होर्मुज से गुजरने के लिए कोई फीस या टोल देना होगा?

वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुए एक समझौते में लड़ाई–झगड़े को खत्म करने और जलमार्ग को फिर से खोलने की शर्तें तय की गई हैं। इसका असर तुरंत फाइनेंशियल मार्केट पर दिखा। तेल की कीमतों में गिरावट आई क्योंकि ट्रेडर्स को उम्मीद थी कि खाड़ी देशों से एनर्जी की सप्लाई धीरे–धीरे फिर से शुरू हो जाएगी। ट्रंप ने घोषणा की कि होर्मुज जलडमरूमध्य (फिर से खुल जाएगा और वहाँ से गुजरने के लिए कोई टोल नहीं देना होगा। उनके बयानों का मकसद मार्केट को भरोसा दिलाना और महीनों की अस्थिरता के बाद समुद्री कामकाज के सामान्य होने का संकेत देना लग रहा था। हालांकि, अगले दिन ईरान ने अपना रुखद थोड़ा और साफ किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान का सीधे ट्रांजिट टोल लगाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन उन्होंने यह साफ किया कि जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान दी जाने वाली सेवाओं के लिए जहाजों को शुल्क देना पड़ सकता है। हालांकि ईरानी अधिकारियों ने उन सेवाओं की प्रकृति के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी है,

लेकिन पर्यावरण की निगरानी से जुड़ी गतिविधियों का उन संभावित क्षेत्रों में जिक्र किया गया है जिनके लिए शुल्क लिया जा सकता है। रास्ते के इस्तेमाल के लिए पेमेंट को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही है। कमर्शियल शिपिंग से जुड़े टकराव और जवाबी कार्रवाई शुरू होने के बाद, ईरानी अधिकारियों ने समुद्री रास्ते से गुजरने के लिए जरूरी पेमेंट के तरीकों पर खुलकर बात करना शुरू कर दिया। तेहरान ने संकेत दिया कि जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से गुजरने वाले जहाजों को भविष्य में पेमेंट करना पड़ सकता है। मई तक, अधिकारियों ने श्पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटीश बना ली थी। इस संस्था का काम उन परमिटों को मैनेज करना था, जिन्हें अधिकारियों ने सुरक्षित रास्ते के परमिट का नाम दिया था।

टोल और शुल्क में क्या अंतर है?

यद्यपि आम बोलचाल में इन शब्दों का प्रयोग अक्सर एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून इन्हें बिल्कुल अलग–अलग मानता है। टोल को आम तौर पर एक अनिवार्य शुल्क के रूप में समझा जाता है जो केवल इसलिए लगाया जाता है क्योंकि कोई जहाज किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र से गुजरना चाहता है। ऐसे मामलों में, जहाज किसी सेवा के लिए नहीं बल्कि मार्ग तक पहुँच के लिए भुगतान कर रहा होता है। सेवा शुल्क एक बिल्कुल अलग सिद्धांत पर काम करता है। इसका उद्देश्य सेवा प्रदाता को जहाज को प्रदान की गई किसी विशिष्ट गतिविधि या परिचालन सहायता के लिए मुआवजा देना होता है। ऐसी सेवाओं में पायलट सहायता, टगबोट संचालन, नौवहन मार्गदर्शन, लाइटहाउस रखरखाव, ड्रेजिंग कार्य, आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताएं या पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली शामिल हो सकती हैं। टोल असल में किसी खास जगह तक पहुँच को नियंत्रित करके होने वाली कमाई को दिखाता है। सर्विस फीस का मकसद इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा सिस्टम या ऑपरेशनल सपोर्ट को बनाए रखने में आने वाले असल खर्चों की भरपाई करना होता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य, पनामा नहर या स्वेज नहर से अलग क्यों है?: इस मामले में उलझन की एक वजह यह है कि कई बड़े शिपिंग रूट पर पहले से ही पेमेंट करना पड़ता है। पनामा नहर और स्वेज नहर से गुजरने के लिए जहाजों को अक्सर बड़ी रकम चुकानी पड़ती है। इन चार्जेज को आम तौर पर स्वीकार किया जाता है और इन्हें कानूनी माना जाता है। इसकी वजह खुद इन जलमार्गों की बनावट है। पनामा नहर और स्वेज नहर इंसानों द्वारा बनाई गई संरचनाएँ हैं। इनके संचालन के लिए बड़े पैमाने पर इंजीनियरिंग, रखरखाव, ड्रेजिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की जरूरत होती है। गुजरने के लिए लिए जाने वाले शुल्क से इन गतिविधियों के लिए फंड मिलता है और दी जाने वाली सेवाओं का खर्च निकलता है। होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति बिल्कुल अलग है। नहरों के विपरीत, होर्मुज एक प्राकृतिक जलमार्ग है। ऐतिहासिक रूप से, जहाज बिना किसी पारगमन शुल्क के इससे होकर गुजरते रहे हैं। यदि कोई देश नौवहन की स्वतंत्रता को सशुल्क सेवा में बदल देता है, तो इससे अन्य अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर भी असर पड़ सकता है।

ट्रांजिट पैसेज को लेकर कानूनी विवाद क्या है?

आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को एक अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य माना जाता है। ऐसे जलमार्ग **UNCLOS** के भाग III में तय किए गए श्ट्रांजिट पैसेजश नियमों के तहत आते हैं। श्ट्रांजिट पैसेजश के तहत आवाजाही के व्यापक अधिकार मिलते हैं। कमर्शियल जहाज, तेल टैंकर और सैन्य जहाज बिना रुके लगातार इस जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं। तटीय देशों को इस अधिकार को रोकने की इजाजत नहीं है। ज्यादातर समुद्री ताकतें इस सिद्धांत को वैश्विक व्यापार और नौसेना की आवाजाही बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी मानती हैं।

भलुहा में आम तोड़ते समय पेड़ से गिरा युवक, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खेसरहा। थाना क्षेत्र के भलुहा गांव के पास एक बगीचे में आम तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान जितेंद्र कुमार (25वर्ष) पुत्र अमरेश निवासी कठमोरवा के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार जितेंद्र कुमार आम तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़े। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया गया।सीएचसी खेसरहा में चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच में बताया कि घायल के नाक और कान से खून निकल रहा था। नाक की हड्डी टूट गई थी तथा दाहिने हाथ में भी गंभीर फ्रैक्चर की आशंका थी। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चिंता का माहौल बन गया। जिला अस्पताल में युवक का उपचार जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि आम के मौसम में लोग अक्सर पेड़ों पर चढ़कर फल तोड़ते हैं, लेकिन थोड़ी सी असावधानी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर/बांसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर रतनसेन इंटर कॉलेज, बांसी में ष्विकसित भारत संकल्प सम्मेलन–2026ष् का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, हर घर जल और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने विकसित भारत–2047 के संकल्प को साकार करने में सभी नागरिकों से सहभागिता का आह्वान किया।पूर्व मंत्री एवं बांसी विधायक राजा जय प्रताप सिंह ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब समाज का हर वर्ग राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएगा। वहीं शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं ने आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, बुद्धिजीवी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन के अंत में उपस्थित लोगों ने विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

नासिरगंज में किसान गोष्ठी आयोजित, योजनाओं और आधुनिक खेती की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खेसरहा। खेसरहा विकासखंड के नासिरगंज ग्राम पंचायत में

किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर .षि से जुड़ी समस्याओं, सरकारी योजनाओं तथा आधुनिक खेती की तकनीकों पर चर्चा की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेसरहा मंडल भाजपा अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समृद्धि के बिना राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं, जिनका लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।गोष्ठी में फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, उर्वरक एवं बीज उपलब्धता, सिंचाई सुविधाओं तथा .षि यंत्रीकरण से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने, जैविक खेती को बढ़ावा देने और आधुनिक .षि उपकरणों के उपयोग पर विशेष जोर दिया।इस दौरान किसानों ने अपनी समस्याएं भी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सामने रखीं। संबंधित विभागों तक उनकी बात पहुंचाकर समाधान कराने का आश्वासन दिया गया।कार्यक्रम में हरिकेश राजभर, चंदन पांडेय, जयशंकर मिश्रा सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के कई किसान उपस्थित रहे। गोष्ठी का समापन किसानों के सम्मान और उनके हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

लियोनेल मेसी का वर्ल्ड कप में महा–धमाका, हैट्रिक के साथ तोड़े Ronaldo-Klose के रिकॉर्ड

अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3–0 से जीत के साथ अपने 2026 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करते हुए, 38 साल और 357 दिन के लियोनेल मेसी **FIFA** वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। फॉक्स स्पोर्ट्स के अनुसार, मेसी ने रूस में हुए 2018 फीफा वर्ल्ड कप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बनाए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दियाय उस समय 33 साल के रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी।

अर्जेंटीना के लिए अपने 200वें मैच में मेसी ने तीन अलग–अलग तरह के गोल किएरू 17वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल की तेज फ्री किक के बाद दूर से एक जबरदस्त शॉटय मैक एलिस्टर के शॉट के रिबाउंड पर बॉक्स के अंदर से एक क्लोज–रेंज फिनिशय और 76वें मिनट में खुद शुरू किए गए शानदार रन के बाद एक बेहतरीन कर्लिंग फिनिश। इस हैट्रिक के साथ मेसी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज (16 गोल) के बराबर आ गए। वह ब्राजील के रोनाल्डो (15 गोल) से आगे निकल गए और जर्मनी के गर्ड मुलर और फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (दोनों के

14–14 गोल) के बराबर पहुँच गए। एम्बाप्पे ने उसी दिन सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की 3–1 की जीत में दो गोल करके मुलर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। यह उपलब्धि मेसी के पहले वर्ल्ड कप गोल के ठीक 20 साल बाद मिली जो उन्होंने 2006 वर्ल्ड कप में सर्बिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 6–0 से जीत के दौरान किया था और यह उनके करियर का एक ऐतिहासिक पड़ाव बन गया। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप में पहली हैट्रिक लगाने के साथ मिरोस्लाव क्लोसे के सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली जिसके दम पर गत चौम्पियन अर्जेंटीना ने ग्रुप चरण के पहले मैच में अल्जीरिया को 3 . 0 से हरा दिया। अब मेस्सी के 16 विश्व कप गोल हो गए हैं जिससे वह जर्मनी के क्लोसे के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में बराबरी पर आ गए हैं। इंटर मियामी के अपने साथी रौद्रिगो डि पॉल के पास के दम पर मेस्सी ने शुरूआती मिनटों में पहला गोल दागा।

दूसरा गोल दूसरे हाफ की शुरूआत में किया और तीसरा आखिरी मिनटों में दागा जिसके बाद दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अर्जेंटीना के लिये सर्बिया और मोंटेनीग्रो के खिलाफ विश्व कप में पदार्पण के 20 साल बाद मेस्सी ने यह गोल दागा है। उन्होंने तब अपने पहले विश्व कप मैच में भी गोल किया था। टूर्नामेंट से पहले ही लग रहा था कि वह क्लोसे का रिकॉर्ड तोड़ देंगे लेकिन पहले ही मैच में तीन गोल करके उन्होंने इसकी बराबरी कर ली। यह उनके कैरियर की 61वीं और अर्जेंटीना के लिये खेलते हुए 11वीं हैट्रिक है। विश्व कप में लगातार पांचवें मैच में मेस्सी ने गोल दागा है।

अवैध शराब के साथ एक तस्कर गिरतार, रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रायपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरतार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के कुशल निर्देशन में थाना रायपुर पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार 16 जून 2026 को थाना रायपुर क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने सुरेश कुमार केशरी पुत्र कन्हैया, निवासी गोटीबांध, थाना रायपुर को संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई।बरामदगी के आधार पर थाना रायपुर में मु0अ0सं0–86/2026 के तहत धारा 60/63/72 आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। गिरतार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यूएई–कनाडा और पीएम मोदी की ताबड़तोड़ मीटिंग, जानें क्या हुई बात?

भारत के पीएम नरेंद्र मोदी फ्रांस के एवीएन में ळ7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे तो उनकी मुलाकात अपने कई समकक्ष नेताओं के साथ भी हुई। इसी कड़ी में उनकी मुलाकात संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जैद अलहन से हुई। दोनों नेताओं के बीच साल 2026 में यह तीसरी मुलाकात है जो भारत यूएई की मजबूत संबंध को साफ तौर पर दर्शा रही है। दोनों पक्षों ने लगातार आपस में बातचीत की और पश्चिमी एशिया क्षेत्र में स्थाई शांति सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए बातचीत कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के महत्व पर जोर दिया है। दोनों पक्ष लगातार एक दूसरे के साथ संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए हैं। इस दौरान भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति को इस साल के अंत में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया है।

वहीं इस मौके पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात कनाडा के पीएम मां कारणी से भी हुई और दोनों पक्षों ने अपने संबंधों में आए सकारात्मक बदलाव पर खुशी व्यक्त किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा मेरे लिए खुशी की बात है कि हम हमारी पहली मुलाकात बीजी से में हुई थी और आज हम एक साल के बाद मिल रहे हैं और जैसा आपने कहा हम चार बार मिल चुके हैं और लगातार फोन पर भी हमारा संपर्क हो रहा है। हम बटरल रिलेशंस को लेकर के भी और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के संबंध में भी खुलकर के अपने विचार रखते रहे हैं और हमने एक अच्छी परिस्थिति में एक मित्र देश के रूप में बहुत प्रगति हो रही है। भारत का डायस्पोरा की आप जिस प्रकार से चिंता करते हैं, मैं आपका बहुत आभारी हूं और भारत के डायस्पोरा के प्रति उनका भी कुछ ना कुछ योगदान आपके यहां हमेशा रहता है। ऐसे आपका सही है कि हम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर के बहुत ही उत्सुक है और शायद जैसा आपने मुझे निमंत्रित किया है कनाडा आने के लिए। मेरा भी प्रयास है कि इसी वर्ष मैं आऊं और मेरे आने से पहले ही हम इस एग्रीमेंट को पूरा करें। हम टेक्नोलॉजी के अंदर बहुत कुछ आगे करना चाहते हैं। एनर्जी सिक्योरिटी में कनाडा हमारा बहुत बड़ा पार्टनर बन सकता है। तो ये सारे क्षेत्र हैं जिसको लेकर के आज हमारी काफी चर्चाएं भी होगी और मैं आपका बहुत आभारी हूं कि सबसे साथियों से शायद मुझे मिलने का मौका मिल रहा है। थैंक यू। भारत और कनाडा के नेताओं ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की जिसमें एलएनजी, एलपीजी और मेटालर्जिकल कोयले से संबंधित व्यवसायिक व्यवस्थाओं के बारे में बातचीत हुई। इसके अलावा दोनों पक्षों ने सीईपीए यानी कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बातचीत में हुई प्रगति पर भी खुशी व्यक्त की है। दोनों पक्ष अब एक दूसरे के साथ लगातार आगे बढ़ने पर राजी हुए हैं और दोनों पक्ष रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने के लिए लगातार एक दूसरे के साथ मजबूती से काम करने पर राजी हुए हैं। बीते कुछ वर्षों की बात करें तो भारत और कनाडा के संबंधों में अच्छी खासी दूरी आ गई थी। लेकिन कनाडा की सत्ता में परिवर्तन के बाद भारत कनाडा के संबंध वापस से ट्रैक पर आते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सूदखोरों के चंगुल में फसे हरेन्द्र ने फंसरी लगाकर जान दिया : पत्नी ने किया दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सूदखोरों के चंगुल में फंसे कोतवाली थाना क्षेत्र के पोखर भिटवा निवासी हरेन्द्र सिंह ने 12 जून को फंसरी लगाकर जान दे दिया। हरेन्द्र सिंह स्पष्ट

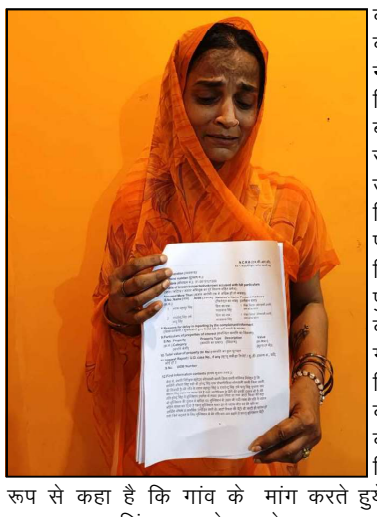

रूप से कहा है कि गांव के श्याम बहादुर सिंह व राघवेन्द्र सिहं उर्फ पप्पू सिंह पुत्रगण जय प्रकाश सिंह ब्याज पर पैसा देते हैं और टेम्पो चलाकर जीविका का पालन करने वाले हरेन्द्र ने उनकी दूकान ग्रीन वैली ट्रेडर्स उमरी सोनूपार से 41 हजार रूपये में टेम्पो की बैट्री लिया जो काम नहीं कर रही थी, जब हरेन्द्र ने इसकी शिकायत श्याम बहादुर सिंह से किया तो उसने बैट्री बदलने से इंकार कर दिया। इसी तनाव को लेकर सूदखोरों के चंगुल में फंसे हरेन्द्र सिंह ने 12 जून को फंसरी लगाकर जान दे दिया।टेम्पो चालक हरेन्द्र सिंह की पत्नी शोभना सिंह की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने पोखरा भिटवा निवासी श्याम बहादुर सिंह और राघवेन्द्र सिंह उर्फ पप्पू सिंह के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है किन्तु अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शोभना सिंह ने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग करते हुये अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये कहा है कि पति के क्रिया कर्म सम्पन्न होने के बाद वह एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगायेगी। कोतवाली पुलिस को दिये तहरीर में हरेन्द्र सिंह की पत्नी शोभना सिंह ने कहा है कि गाँव के श्याम बहादुर सिहं व राघवेन्द्र सिहं उर्फ पप्पू सिंह पुत्रगण जय प्रकाश सिहं ब्याज पर रुपया देते हैं तथा आटोरिक्शा के बैट्री की इनकी दुकान भी है। उनके पति हरेन्द्र सिहं ने उन लोगों से रुपया उधार लिया था तथा आटो रिस्शा की बैट्री भी उनकी दुकान से खरीदा था। उधार ली गयी रकम उनके पति ने ब्याज सहित वापस कर दिया है परन्तु मुल्जिमान गलत ढंग से ब्याज जोड कर उनके पति का आर्थिक शोषण व मानसिक उत्पीड़न करते थे। आटो रिक्शा की बैट्री भी जल्दी ही खराब हो गयी जिसे बदलने के लिए मुल्जिमान उनके पति से बार–बार कहते थे परन्तु मुल्जिमान बैट्री बदलने के बजाय उनके पति का उपहास करते थे तथा नाजायज ढंग से ब्याज का रुपया माँगते थे और बार बार कहते थे कि ब्याज का रुपया नहीं दे पा रहे हो तो पानी में नाक रगड़ कर या गले में फंदा लगा कर मर जाओ। उनके पति कहते थे कि बैट्री बदल दीजिए आटोरिक्शा से ही मेरी परवरिश होती है तो मुल्जिमान कहते थे कि तो परिवार सहित मर क्यों नहीं जाते क्यों जी रहे हो। इस प्रकार मुल्जिमानों ने कई बार उसके सामने भी उनके पति को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करते थे। उनके पति हरेन्द्र सिंह ने आत्महत्या कर लिया जिसके लिए मुल्जिमान उपरोक्त ही जिम्मेदार है। उसने दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा भारत : हरीश द्विवेदी

जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को जोड़ने का सशक्त माध्यम बना सम्मेलन : विवेकानन्द मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को भाजपा कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के असम प्रभारी एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा उपस्थित जनों को विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरीश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर नई पहचान के साथ उभर रहा है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का उद्देश्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं, उपलब्धियों और अंत्योदय की भावना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। सम्मेलन में वरिष्ठ पत्रकार जयंत मिश्र, यशकांत सिंह, रवि सोनकर, रमा शर्मा, जगदीश अग्रहरी, पुनीत ओझा, सुरेन्द्र पाण्डेय, कौशलेन्द्र पाल, गोपेश्वर त्रिपाठी एवं राजेश पाल चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विकसित भारत के संकल्प को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अटल बिहारी प्रेक्षागृह परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का मुख्य अतिथि हरीश द्विवेदी ने अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। विभागीय प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र लाभार्थियों को उनसे जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखण्ड प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह, अनिल दुबे, डा. वीरेंद्र त्रिपाठी, जटाशंकर शुक्ल, अमृत वर्मा, अंकुर वर्मा, अरविन्द मिश्र, डा. वी.के. श्रीवास्तव, निरंकुश शुक्ला, डा. शक्ति सिंह, डा. सौरभ बोस, डा. रघुवर पाण्डेय, उपेन्द्र नारायण शुक्ल, डा. दिलीप त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, शिवानी सिंह, शालिनी मिश्र, सुमन सिंह, संध्या दीक्षित, किरन वर्मा, ममता सिंह, सूर्यवंश मौर्य, पुष्करादित्य सिंह, रमेश चक्रवर्ती, सतीश सोनकर, सुनील पासवान, आलोक चौधरी, गोकुल प्रसाद, राजकुमार शुक्ल, चंद्रमणि पाण्डेय, गिरिजेश यादव, सीताराम गुप्ता, कृष्णकांत पाण्डेय, विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, प्रमोद वर्मा, डा. महेन्द्र गौड़, रामवृक्ष निषाद, चंद्रभान, संतोष श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, दिनेश पाण्डेय, पंकज श्रीवास्तव, रमेश मिश्रा, सिद्धार्थ मिश्र, अरविन्द श्रीवास्तव, अरविन्द सिंह, राम श्रृंगार ओझा, राजन गुप्ता, डा. रोली सिंह, गौरव गुप्ता, मनमोहन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बड़े मंगल पर भक्तिऔर संस्कृति का संगम, विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। ज्येष्ठ मास के सातवें बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर शहर के गुरु गोविंद चौक स्थित शिव मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। वरिष्ठ समाजसेवी ओम प्रकाश अरोरा के संयोजन में आयोजित विशाल भंडारा एवं दिव्य झांकी कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कानपुर से आई सन्नी एंड कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई मनोहारी धार्मिक झांकियां रहीं। कलाकारों ने हनुमान जी, शिव–पार्वती, राधा–कृष्ण एवं कृष्ण–सुदामा के प्रसंगों का सजीव मंचन कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। भक्ति गीतों, जयघोषों और धार्मिक प्रस्तुतियों से पूरा मंदिर परिसर देर रात तक भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। कार्यक्रम संयोजक ओम प्रकाश अरोरा ने बताया कि बड़े मंगलवार के अवसर पर इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन वर्षों से निरंतर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं। विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर नजर आया। सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती ने कहा कि बड़े मंगलवार के अवसर पर आयोजित यह भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी समृद्ध भारतीय परंपरा, आस्था और सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने, युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराने तथा आपसी भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं आयोजन समिति एवं सभी श्रद्धालुओं को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और जनपदवासियों के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना करता हूं। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर से सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव, एसडीएम राजेश यादव, जयप्रकाश अरोरा, पवन मल्होत्रा, तरुण असीजा, विनोद सचदेवा, कुलदीप, विनय पाण्डेय, राजमणि पाण्डेय, अजय पाण्डेय, हिमांशु सेन, विशाल, कविश अरोरा, सुदर्शन, रौनक, बबलू सरदार, साहब सिंह चिंटू, सन्नी, अब्दुल्ला अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। वहीं महिलाओं में विमल अरोरा, शशि अरोरा, लक्ष्मी अरोरा, चांदनी, अंकिता, ज्योति, दीपिका और सोनाली सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला यह आयोजन जनपद में आयोजित बड़े मंगलवार समारोहों का विशेष आकर्षण बन गया।

देवेन्द्र प्रताप की पहल पर टेट में मिली राहत–अभय सिंह यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुधवार को शिक्षको के एक प्रतिनिधि मण्डल ने शिक्षक नेता अभय सिंह यादव के नेतृत्व में गोरखपुर जाकर स्थित आवास पर विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह का शिक्षकों का मुद्दा प्रभावशाली ढंग से विधान परिषद में उठाये जाने और मुख्यमंत्री से मिलकर टेट समस्या के समाधान की पहल के लिये उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल से कहा कि शिक्षक हितों के लिये उनका संघर्ष हर स्तर पर जारी रहेगा। शिक्षक नेता अभय सिंह यादव ने बताया कि टेट के सवाल को लेकर प्रदेश के शिक्षक परेशान थे, ऐसे में एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री से मिलकर विभागीय टेट परीक्षा का अनुरोध किया जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया। शिक्षक हितों के लिये यह बडा कदम है। इससे लाखों शिक्षकों को राहत मिली है। परिषदीय शिक्षकों के लंबित वेतन विसंगतियों को दूर कराने के लिएं सदन में उठाते हुए सरकार से मांग किया कि 30 नवंबर 2008 के बाद पदोन्नति प्राप्त सभी शिक्षकों को न्यूनतम बेतन 17140 का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है जो विसंगति पूर्ण है इसको 9 जून 2014 के शासनादेश का पालन कराते हुए शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर कराया जाए पुनरीक्षित वेतन प्राप्त होने से वंचित सभी शिक्षकों को उस लाभ से लाभान्वित किया जाए एक ही संवर्ग में दोहरा मापदंड नहीं रह सकता है । वेतन विसंगति को दूर कराने के सदन में पुरजोर तरीके से रखने के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला की पहल पर एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह का स्वागत किया। एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से नवीन चौधरी, मारूफ खान, सुमन्त सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, अजय सिंह, सौरभ तिवारी, चन्द्रशेखर शर्मा सहित अनेक शिक्षक शामिल रहे।

बस्ती विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई: रौतापार में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने अवैध प्लॉटिंग और अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान

के तहत बुधवार को रौतापार क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना स्वीकृति विकसित की जा रही प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण कराने वालों में हड़कंप मच गया। बीडीए की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्राधिकरण के सचिव कीर्ति प्रकाश भारती के निर्देश पर रौतापार स्थित मंदिर के पीछे गाटा संख्या–227 में लगभग 1000 वर्गमीटर भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान चलाया गया। जांच में पाया गया कि उक्त भूमि पर सुखराम, पन्नालाल एवं योग माया पाठक द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति और आवश्यक अनुमति प्राप्त किए प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी, जो प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन है। कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध रूप से निर्मित सड़क, प्लॉटिंग संबंधी संरचनाओं तथा अन्य निर्माण कार्यों को ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण एवं अवैध विकास से मुक्त कराया। अभियान के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। ध्वस्तीकरण अभियान में प्राधिकरण के प्रभारी अधिशासी अभियंता हरिओम गुप्ता, अवर अभियंता रोहित पटेल सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिल्वर स्पून सनराइजर्स और अभिषेक आभूषण सुपर किंग्स फाइनल में

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। गौतम बुद्ध स्पोर्ट्स फाउंडेशन एवं सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गौतम बुद्ध अंडर–13 टैलेंट सर्च क्रिकेट प्रतियोगिता के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले रोमांचक रहे। सिल्वर स्पून सनराइजर्स और अभिषेक आभूषण सुपर किंग्स ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।पहले सेमीफाइनल में सिल्वर स्पून सनराइजर्स ने गंगा टाइटंस को 111 रनों से पराजित किया। टॉस जीतकर गंगा टाइटंस के कप्तान मयंक ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करते हुए सिल्वर स्पून सनराइजर्स ने निर्धारित 25 ओवर में 6 विकेट पर 232 रन बनाए। टीम के लिए अक्षत सिंह ने शानदार 78 रन, आयुष चौरसिया ने नाबाद 46 रन और अंकुश ने 26 रन की उपयोगी पारी खेली। गंगा टाइटंस की ओर से सिद्धि श्रीवास्तव ने 4 विकेट, जबकि शिवम राजभर और आर्य शुक्ला ने एक–एक विकेट लिया।233 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गंगा टाइटंस की टीम 17.3 ओवर में 121 रन पर सिमट गई। रवि यादव ने 47 रन, अभय चौरसिया ने 16 रन तथा आयुष्मान यादव ने नाबाद 15 रन बनाए। सनराइजर्स की ओर से वेदांत मिश्रा, प्रिंस, अश्मित, अक्षत और रीसब ने एक–एक विकेट हासिल किया।मैच में अक्षत सिंह को मैन ऑफ द मैच, वेदांत मिश्रा को गेम चेंजर ऑफ द मैच तथा सिद्धि श्रीवास्तव को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया।दूसरे सेमीफाइनल में अभिषेक आभूषण सुपर किंग्स ने जिंदल सुपरजाइंट्स को 7 विकेट से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। टॉस जीतकर जिंदल सुपरजाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन पूरी टीम 22.5 ओवर में 82 रन पर ऑल आउट हो गई। चक्रवीर ने 16 रन, मयंक त्रिपाठी ने 15 रन और अश्वनी ने 7 रन बनाए। सुपर किंग्स की ओर से विराट, आदिल और अंश साहनी ने दो–दो विकेट, जबकि प्रतीक ने एक विकेट लिया।83 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अभिषेक आभूषण सुपर किंग्स ने 14.4 ओवर में 3 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। विराट ने 20 रन, शेष कुमार ने 18 रन और अरनव श्रीवास्तव ने नाबाद 25 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। जिंदल सुपरजाइंट्स की ओर से विनायक ने दो तथा वर्षित ने एक विकेट लिया।इस मुकाबले में विराट को मैन ऑफ द मैच, अंश साहनी को गेम चेंजर ऑफ द मैच तथा विनायक मिश्र को फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया।प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर वरिष्ठ फार्मासिस्ट डॉ. गोविंद ओझा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विपिन त्रिपाठी, विवेक त्रिपाठी, हरिश्चंद्र, चंद्र प्रकाश सिंह, राघवेंद्र सिंह, मनीष यादव सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।अब प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सिल्वर स्पून सनराइजर्स और अभिषेक आभूषण सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा, जिस पर क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें टिकी हुई हैं।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। मोहर्रम, कांवड़ यात्रा और श्रावण मेले को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में पीस

कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को त्योहारों के दौरान साफ–सफाई, सुरक्षा, बिजली व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नई परंपरा की अनुमति नहीं होगी तथा सभी समुदायों के लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं।पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने तथा पिछले वर्षों के त्योहार रजिस्टरों का अध्ययन कर आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने संभ्रांत नागरिकों और धर्मगुरुओं से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की।बैठक में अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, नगर निकायों के अधिकारी तथा विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा विकास का लाभ–मंत्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित चार दिवसीय भव्य विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ आज पंचायत रिसोर्स सेंटर में समाज कल्याण राज्य मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम में विकास, जनभागीदारी एवं आत्मनिर्भर भारत की झलक देखने को मिली। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, विधायक सदर भूपेश चौबे, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद रामसकल, पूर्व सांसद नरेन्द्र सिंह कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वी.ति प्रमाण पत्र एवं सहायता सामग्री वितरित की गई। वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभार्थियों को स्वी.ति पत्र, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन, आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को स्वी.ति चेक तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को स्वी.ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ

ही रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र–छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं।इस दौरान समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम सूर्य घर मुत बिजली योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं सुकन्या समृद्धि योजना जैसी योजनाएं करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री जीत सिंह खरवार, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों एवं जनहितकारी योजनाओं की सराहना की।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनपद निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। तकनीकी नवाचार, आधारभूत संरचना के विकास तथा रोजगारपरक पहलों के माध्यम से जनपद में नए अवसर सृजित हो रहे हैं, जिससे आमजन के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ऋचा ओझा द्वारा किया गया।चार दिवसीय विकास प्रदर्शनी में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, तकनीकी नवाचारों तथा विकसित भारत के संकल्प को प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक पहुंच रहे हैं।

रामनगर में दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर, तीन घायल, एक रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी, सोनभद्र। स्थानीय कस्बा क्षेत्र के रामनगर मुख्य मार्ग पर पूर्व सभासद के मकान के सामने बुधवार सुबह दो बाइकों की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेजवाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. सुनील ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया।चिकित्सक के अनुसार, हादसे में घायल श्रीकांत मौर्य (28 वर्ष) पुत्र लवकुश, निवासी दुम्हान के पैर में गंभीर चोट आई थी। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।वहीं, अन्य दो घायलों गोविंदा (18 वर्ष) पुत्र दयाशंकर, निवासी वार्ड नंबर–2 दुद्धी तथा नसरुद्दीन अंसारी (50 वर्ष) पुत्र नोकी अंसारी, निवासी मेराल, झारखंड का उपचार कर छुट्टी दे दी गई।पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सर्प दंश से बुर्जुग महिला की मौत परिजनो में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।बीजपुर थाना क्षेत्र के जरहा गांव में एक बुर्जुग महिला की घर में शर्प के काटने से कुछ देर में मौके घर पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर अंत्य परीक्षण के दुद्धी भेजने की प्रक्रिया में जुटी है।जरहा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद भारती ने बताया की मंगलवार की रात घर के आंगन में पनारा के पास किसी काम से गई थी। उसी दौरान सुखमनिया (71) पत्नी नान्हक को शर्प ने डस लिया। परिजनो को जैसे पता चला संसाधन की व्यवस्था कर ही रहे थे। की कुछ देर में ही मौके पर मौत हो गई। मौत होते ही परिजनो में चीख पुकार मच गया। बुधवार की सुबह सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर कर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर अंत्य परीक्षण के लिए दुद्धी पोस्ट मार्टम हाउस भेजने की कार्रवाई में जुटी रही।

आरओबी निर्माण के बीच जनता की चिंता, मौके पर पहुंचे सदर विधायक भूपेश चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य शुरू होने और रेलवे फाटक से चार पहिया व भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाए जाने के बाद क्षेत्र में बढ़ी जनचिंताओं के बीच सदर विधायक भूपेश चौबे ने मंगलवार को निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने और डायवर्जन लागू होने की सूचना मिलते ही विधायक मौके पर पहुंचे तथा उपजिलाधिकारी, निर्माणाधीन कंपनी के अधिकारियों और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण स्थल एवं वैकल्पिक मार्गों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों के साथ–साथ आमजन की सुविधा और सुरक्षा

का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना ऐसा कोई कदम न उठाया जाए, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हजारों लोग इस मार्ग का उपयोग करते हैं, इसलिए आवागमन की सुगम व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन और निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है।विधायक ने रेलवे क्रॉसिंग पर पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए सुरक्षित सर्विस लेन विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक आरओबी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक लोगों के सुरक्षित आवागमन की समुचित व्यवस्था रहनी चाहिए। विशेष रूप से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और दैनिक यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा जाए।डायवर्जन मार्गों का निरीक्षण करते हुए विधायक ने अधिकारियों का ध्यान उन स्थानों की ओर आकर्षित किया जहां सड़कें संकरी हैं और मोड़ अपेक्षा.त तीखे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे स्थानों पर पर्याप्त संकेतक बोर्ड, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात नियंत्रण के इंतजाम किए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं यातायात विभाग की अतिरिक्त तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा।विधायक ने कहा कि आरओबी निर्माण जनपद की बहुप्रतीक्षित परियोजना है, जिसके पूरा होने के बाद रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से स्थायी राहत मिलेगी और आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम होगा। लेकिन निर्माण अवधि के दौरान आम लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ तेजी से कार्य पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि परियोजना में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और समयबद्ध तरीके से निर्माण पूरा कर जनता को इसका लाभ दिलाया जाए।इस दौरान अधिकारियों ने विधायक को निर्माण कार्य की प्रगति, डायवर्जन व्यवस्था तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। विधायक ने कहा कि जनता से जुड़े किसी भी मुद्दे की अनदेखी न की जाए और यदि कहीं कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि तथा स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। विधायक ने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह परियोजना जनहित में है और थोड़े समय की असुविधा के बाद इसका लाभ पूरे क्षेत्र को लंबे समय तक मिलेगासाथ में पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शंभू नारायण सिंह बलिराम सोनी अनूप तिवारी शिबू चौबे एसडीएम सदर कोतवाल सहित रेलवे विभाग के राजस्व विभाग के नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 जून तक,

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र।भाऊराव देवरस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। महाविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पहले 16 जून से शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया के तहत अब अभ्यर्थी 25 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक छात्र–छात्राओं से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

ढाई साल बाद भी नहीं हुई जमीन की फाटबंदी, महिला ने लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। न्यायालय के आदेश के बावजूद ढाई वर्ष बाद भी

जमीन की फाटबंदी न होने से परेशान मंजू देवी ने जिलाधिकारी और डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन से शिकायत कर न्याय की मांग की है।पीड़िता का आरोप है कि डिप्टी कलेक्टर रॉबर्ट्सगंज द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को पारित आदेश के बाद भी राजस्व निरीक्षक और लेखपाल सीमांकन नहीं करा रहे हैं। नोटिस जारी होने के बावजूद निर्धारित तिथि पर अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे।मामले को संज्ञान में लेते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने महिला को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

थाना बीजपुर परिसर में 'मिशन शक्ति केंद्र' का शिलान्यास, महिलाओं को मिलेगी त्वरित सहायता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन

शक्ति' के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सु.ढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मंगलवार को थाना बीजपुर परिसर में 'मिशन शक्ति केंद्र' का शिलान्यास किया गया।इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता, कानूनी परामर्श तथा सुरक्षा संबंधी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। केंद्र के माध्यम से महिलाओं से जुड़ी शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जाएगा, साथ ही उन्हें उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां आने वाली महिलाओं को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सहज, सुरक्षित और भरोसेमंद मंच उपलब्ध होगा।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सरकार एवं पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिशन शक्ति केंद्र के संचालन से क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत होगी तथा वे अपनी समस्याओं को बिना किसी संकोच के संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगी।

एनटीपीसी रिहंद में 'सपनों की उड़ान' का भव्य समापन, बालिकाओं ने दिखाई प्रतिभा की उड़ान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर (सोनभद्र)। एनटीपीसी रिहंद की ओर से आयोजित बालिका सशक्तीकरण अभियान–2026 "सपनों की उड़ान" का भव्य समापन मंगलवार को रिहंद आवासीय परिसर स्थित तरंग प्रेक्षागृह में उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। चार सप्ताह तक चले इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख संजय असाटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।समारोह में विंध्याचल परियोजना प्रमुख किशोर कुमार होता, सिंगरौली परियोजना प्रमुख ई.पी. राव, वर्तिका महिला मंडल की अध्यक्षा नीलू असाटी, वनिता समाज की अध्यक्षा प्रज्ञा नायक, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) प्रणय कुमार नायक, सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट प्रकाश, मानव संसाधन प्रमुख

राजेश बोयपाई तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सी.एस. पीटर्स सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बड़ी संख्या में कर्मचारी, ग्राम प्रधान, अभिभावक एवं स्थानीय नागरिक भी कार्यक्रम के साक्षी बने।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रमुख राजेश बोयपाई ने बालिका सशक्तीकरण अभियान के तहत आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, रचनात्मक और व्यक्तित्व विकास गतिविधियों की जानकारी दी।समापन समारोह में प्रतिभागी बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। गणेश वंदना पर आधारित नृत्य नाटिका, योग प्रदर्शन, 'मां' एवं 'सपनों की उड़ान' विषय पर लघु नाटिकाएं, देशभक्ति गीत और प्रेरणादायक नृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बालिकाओं के आत्मविश्वास और प्रस्तुति की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की।मुख्य अतिथि संजय असाटी ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला का समापन भले हो रहा है, लेकिन उनके सपनों की उड़ान अब शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि यहां सीखे गए अनुशासन, आत्मरक्षा, कौशल और आत्मविश्वास को जीवन में अपनाकर आगे बढ़ें तथा स्वयं को कभी किसी से कम न समझें।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बालिकाओं को उनकी उत्कृष्ट सहभागिता और प्रदर्शन के लिए उपहार एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। अतिथियों का सम्मान करने के बाद धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।नटीपीसी रिहंद का यह अभियान ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जिसने प्रतिभागी छात्राओं को अपने सपनों को नई उड़ान देने का अवसर प्रदान किया।

पांच दिन तक बहेगी हनुमंत भक्तिकी गंगा

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा /सोनभद्र ।करमा ब्लाक के सरौली ग्राम पंचायत मे

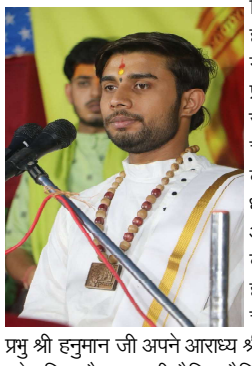

स्थित डीहबाबा मंदिर प्रांगण मे हनुमंत यज्ञ हनुमंत कथा एवं महादिव्य दरबार का प्रथम दिवस प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया रामलखन सीता मन बसिया की चौपाई पर पाँच दिन तक कथा बोला जायेगा ऐसा कहना है सीधेश्वर धाम सरकार के पिठाधिश्वर पं श्री आदर्श .ष्ण शास्त्री जी महाराज का ।शास्त्री जी ने बताया की एक ही चौपाई पर पाँच दिन तक कथा चलने वाली है उन्होंने बताया की प्रभु श्री हनुमान जी अपने आराध्य श्री राम जी के चरित्र सुनने के सबसे बड़े रसिक है। साथ ही दैहिक दैविक भौतिक ताप को समन करने के लिए दिव्य दरबार मे छः लोगों की अर्जी स्वीकार हुई। वही महराज श्री के द्वारा बालाजी के चरणों मे सामूहिक अर्जी भी स्वीकार किया गया। मानस हंस श्री श्यामबली पाठक के द्वारा सुन्दरकांड पंचम सोपान का पारायण प्रथम दिवस किया गया।मंच संचालन आचार्य पं मनोज कुमार दीक्षित के द्वारा किया गया।उन्होंने बताया की प्रथम दिवस के कथा मे ही पांडाल श्रोताओं से भर गया सबसे ज्यादा उपस्थिति माताओं की रही।यज्ञाचार्य के रूप मे आचार्य राजन पाण्डेय, आलोक तिवारी, अभिषेक पाठक शिवम शुक्ला,दीपक पाण्डेय रहे इस मौके पर मुख्य यजमान के रूप मे प्रेमनाथ उपाध्याय मिलेट्री सपत्नीक व सहायक यजमान दिनकर पाण्डेय सपत्नीक रहे इस मौके पर मनीष पाण्डेय सुबाष दीक्षित दीपेंद्र सिंह, प्रफुल्ल आलोक मिश्रा विमलेश गिरी, मनीष गिरी, राजेश पटेल अवधेश पाण्डेय, सूरज पटेल, अशोक यादव,हीरालाल यादव, अशोक पटेल गोपाल यादव,सहित हजारों की संख्या मे श्रोता उपस्थित रहे।

पड़री के चिखला टोले में आज तक नहीं हो पाया विद्युतीकरण,ग्रामीणों ने दूसरी बार किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।आजादी के 75 वर्ष से अधिक बीत जाने और डिजिटल इंडिया के सपनों के बीच आज भी कई गांव बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। म्योरपुर विकासखंड अंतर्गत पड़री ग्राम पंचायत के चिखला टोले में आज तक अधिकांश घरों में विद्युतीकरण नहीं हो सका है। बिजली न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।लगभग 200 की आबादी वाले इस टोले में दर्जनों परिवार निवास करते हैं, लेकिन उनके घरों तक अब तक बिजली नहीं पहुंच पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में करीब 10 वर्ष पहले 11 केवीए लाइन तो लगाई गई, लेकिन घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए पोल नहीं लगाए गए, जिससे विद्युतीकरण का कार्य अधूरा रह गया।ग्रामीण राम सुशील ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों को पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। बिजली न होने से लोग मोबाइल चार्ज करने जैसी सामान्य सुविधाओं से भी वंचित हैं और आधुनिक उपकरणों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर जल्द से जल्द विद्युतीकरण कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन में श्याम नारायण, बैजू यादव, राजेश, मोहन, बनवारी लाल, उमाकांत, सरिता, सुनीता, कसमीला, रीता और ममता समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।इस संबंध में एसडीओ शिवम गुप्ता ने बताया कि चिखला टोले में विद्युतीकरण के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। शासन से स्वी.ति मिलते ही कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई सूर्या–तृषा की करुप्पु, जानें–कितना किया लाइफटाइम कलेक्शन

सूर्या और तृषा कृष्णन की करुप्पु ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है और ये अभी

भी कुछ जगहों पर सिनेमाघरों में चल रही है लेकिन ये अपना थिएट्रिकल सफर लगभग खत्म कर चुकी है. वहीं ये फिल्म पिछले हफ्ते ओटीटी पर भी रिलीज हो गई है. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म का क्लोजिंग कलेक्शन कितना रहा है? बता दें कि करुप्पु ने अपने पांचवें हफ्ते के चार दिनों में लगभग 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे इसकी कुल कमाई लगभग 226 करोड़ रुपये हो गई है. अनुमान है कि यह 227 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अपना सफर पूरा करेगी. वहीं इंटरनेशनल लेवल पर इस फिल्म ने लगभग 8.50 मिलियन यूएसडी यानी 81 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे इसका दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगभग 307 करोड़ रुपये हो गया है. अनुमान है कि ये दुनियाभर में 308 करोड़ रुपये की लाइफटाइम कमाई कर सकती है. इसी के साथ सूर्या की यह फिल्म भारत में अब तक की नौवीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुड फिल्म बन गई है जबकि दुनिया भर में यह दसवें नंबर पर है. वहीं अपने होम टाउन तमिलनाडु में, यह 154 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच रही है, जो अब तक का सातवां सबसे बड़ा कलेक्शन है. करुप्पू ने तमिलनाडु के बाहर भी अच्छा परफॉर्म किया है. खास तौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इसने अच्छी कमाई की है. बता दें कि इसके तेलुगु डब वर्जन ने लगभग 35 करोड़ रुपये कमाए. सूर्या का करियर लंबे समय से पटरी से उतरा हुआ था. ऐसे में करुप्पु एक्टर के लिए संजीवनी साबित हुई है. इस फिल्म ने उनकी एक अदद हिट की ख्वाहिश पूरा कर दी है. इन सबके बीच बता दें कि थलपति विजय राजनीति में जाने के लिए सिनेमा से दूर हो गए हैं. वहीं रजनीकांत उम्रदराज हो गए हैं, और अजित भी बहुत ज़्यादा फिल्में नहीं कर रहे हैं क्योंकि उनकी दिलचस्पी रेसिंग करियर में है. ऐसे समय में, सूर्या की वापसी किसी वरदान से कम नहीं है क्योंकि तमिल फिल्म इंडस्ट्री को बड़ी फिल्मों के लिए बड़े स्टार्स की सख्त जरूरत है.

खत्म हुआ इंतजार, आ गई दृश्यम 3 की ओटीटी रिलीज डेट उठने वाला है सस्पेंस से पर्दा

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 21 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से तो अच्छा रिस्पांस तो मिला ही था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर हिंदी में रिलीज हुए बिना ही इस फिल्म ने रिकॉर्ड कायम किया।

ये जानकारी तो हमने आपके साथ पहले ही शेयर कर दी थी कि जीतू जोसेफ के निर्देशन में बनी दृश्यम 3 जून में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे देगी। अब सस्पेंस थ्रिलर फिल्म की ओटीटी पर रिलीज की तारीख भी तय हो चुकी है। मलयालम भाषा में बनी मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट पर से प्राइम वीडियो ने पर्दा उठा दिया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक दृश्यम 3 की ऑफिशियल रिलीज डेट की घोषणा करते हुए यह बता दिया है कि मूवी 18 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दी जाएगी। सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन करने वाली दृश्यम 3 ग्लोबल लेवल पर 200 से ज्यादा देशो में ऑडियंस के लिए स्ट्रीम किया जाएगा। दर्शक इस फिल्म का मलयालम के अलावा तेलुगु, तमिल और कन्नड़ वर्जन भी देख पाएंगे। हालांकि, हिंदी भाषा में यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। वजह ये है कि दृश्यम 3 के हिंदी राइट्स अजय देवगन के पास हैं, जो 2 अक्टूबर 2026 को मूवी सिनेमाघरों में रिलीज करने वाले हैं। दृश्यम 3 के कलेक्शन की बात करें तो, इस फिल्म ने 23 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 108.23 करोड़ की कमाई की है। वर्ल्डवाइड भी दर्शकों का दृश्यम 3 को बहुत प्यार मिला है और फिल्म का बिजनेस ओवरऑल 237.25 करोड़ पहुंच चुका है। जॉर्जकुटी इस बार खुद को और परिवार को कैसे पुलिस से बचाता है, यह देखना बहुत ही दिलचस्प होगा।

अली फजल की वेब सीरीज राख में दिव्या शर्मा ने सुमन का किरदार से लगाए चार चांद

हाल ही में रिलीज हुई अली फजल की वेब सीरीज श्राख्य बीते कुछ दिनों से काफी चर्चाओं में है। इसमें दिव्या शर्मा ने सुमन का किरदार निभाया है, जिनका अपहरण हो जाता है और सीरीज

की पूरी कहानी उन्हें ढूंढने और अपराधी को पकड़ने के इर्द गिर्द घूमती है।

दिव्या शर्मा एक नई और उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने हाल ही में आई क्राइम–थ्रिलर वेब सीरीज श्राख्य में श्सुमन्य का किरदार निभाकर काफी ध्यान खींचा है। इस सीरीज में उनका रोल बेहद अहम है, क्योंकि कहानी सुमन और उसके भाई के अचानक गायब होने के इर्द–गिर्द घूमती है। दिव्या ने इस किरदार को बहुत ही सादगी और इमोशन के साथ निभाया है, जिससे दर्शकों पर गहरा असर पड़ा है।

सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। इसके बाद पूरी कहानी उनकी तलाश और इस रहस्य को सुलझाने पर आधारित होती है। दिव्या शर्मा की एक्टिंग इस किरदार में काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है।

इससे पहले दिव्या श्ग्राम चिकित्सालय्य में जुही के किरदार में नजर आईं थीं। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं। इससे पहले वे ककून नाम की मिनी सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

पेद्दी बॉक्स ऑफिसः वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से कुछ कदम दूर, भारत में 220.18 करोड़ हुआ राम चरण की फिल्म का कलेक्शन

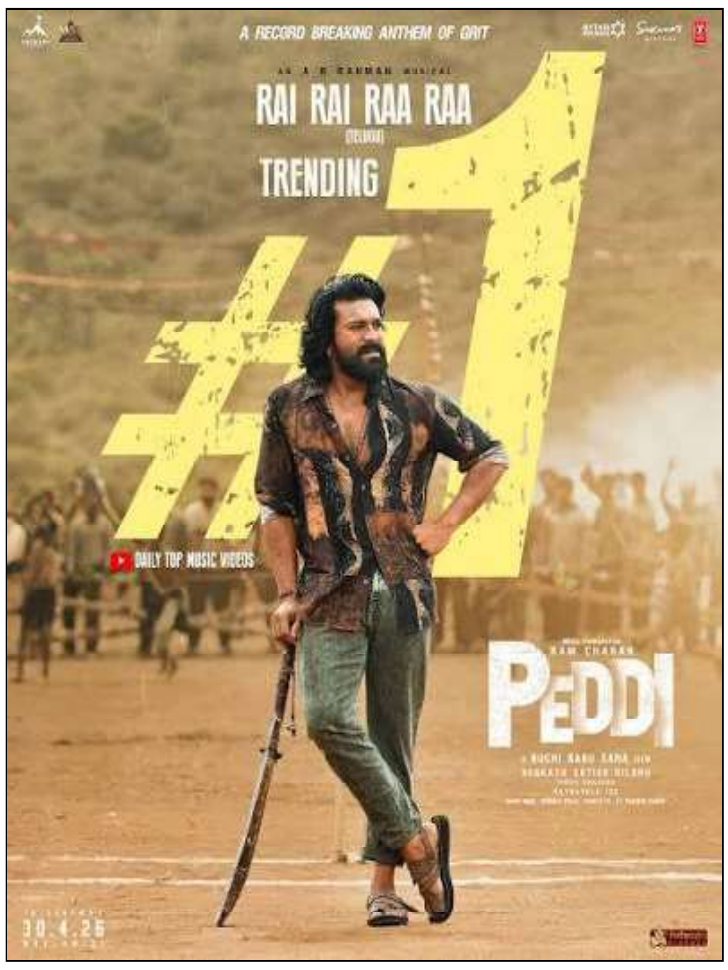

राम चरण स्टारर पेद्दी, जिसमें जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं, दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर लगातार तहलका मचा रही है. यह फिल्म न केवल इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, बल्कि यह 2026 की साउथ इंडिया की नंबर 1 ग्रॉसर (सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म) भी बन गई है. दर्शकों की शानदार तारीफ, ब्लॉकबस्टर वर्ड–ऑफ–माउथ और खचाखच भरे सिनेमाघरों के दम पर पेद्दी अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार असाधारण आंकड़े दर्ज कर रही है.

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी ब्लॉकबस्टर रफ्तार को और मजबूत करते हुए एक और जबरदस्त वीकेंड देखा है. महज 11 दिनों में पेद्दी ने दुनिया भर में ?393 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है, जो दर्शकों से मिल रहे असीम प्यार को साफ दिखाता है. अपने सनसनीखेज दूसरे हफ्ते के परफॉर्मेंस के साथ, यह फिल्म थिएटर्स में लगातार अपना दबदबा बनाए हुए है और इसके धीमे होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं. इस खबर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ष्पेद्दी ने 11 दिनों में दुनिया भर में 393 करोड़ से ज़्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है , अपने दूसरे हफ्ते में भी दुनिया भर में सफलतापूर्वक चल रही है.

पेद्दी ने 12वें दिन 20.09 फीसदी गिरावट के साथ भारत में 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. फिल्म के 13वें दिन 640 शोज चल रहे हैं और फिल्म ने खबर लिखेन जाने तक 0.08 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. फिल्म भारत में ग्रॉस कलेक्शन 261.05 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं, इंडिया में फिल्म का नेट कलेक्शन 220.18 करोड़ रुपये हो गाय है. इधर 13 दिनों में पेद्दी वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है.

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और डायरेक्टेड पेद्दि में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह दमदार स्टार कास्ट फिल्म के स्केल और इसके इम्पैक्ट को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है। वेंकट सतीश किलारु द्वारा वृद्धि सिनेमाज के तहत, मैत्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आइवी एंटरटेनमेंट के सहयोग से प्रड्यूस की गई इस फिल्म के को–प्रड्यूसर ईशान सक्सेना हैं।

आइवी एंटरटेनमेंट की शुरुआत 2020 में हुई थी और इसने भारत में सबसे पॉपुलर प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स एक्वायर (हासिल) करने वाली कंपनियों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है. यह कंपनी लगातार क्रिएटिव प्रोडक्शन हाउसेस को बढ़ावा देते हुए प्रीमियम आईपी और फिल्म राइट्स की भारत की सबसे बड़ी फिल्मोग्राफी तैयार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, ताकि दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आने वाली बेहतरीन फिल्में पेश की जा सकें.

फिल्म में एक दमदार टेक्निकल टीम भी शामिल है, जिसमें ए. आर. रहमान का म्यूजिक, आर. रथनावेलु की सिनेमैटोग्राफी, अविनाश कोल्ला का प्रोडक्शन डिजाइन, नवीन नूली की एडिटिंग और वी. वाई. प्रवीण कुमार का एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन शामिल है, जो इसके सिनेमाई स्तर और दर्शकों की उत्सुकता को और ज्यादा मजबूत बनाता है. धुरंधर, धुरंधर द रिवेंज और राजा शिवाजी की शानदार सफलता के बाद जियो स्टूडियोज द्वारा पेद्दि को उत्तर भारत में रिलीज किया गया. यह फिल्म 4 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

एयर फ्रायर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो कम तेल में तली चीजों को कुरकुरा बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदने वाले हैं तो आपको कुछ खास बातों पर ध्यान देना चाहिए ताकि आपको बेहतरीन और आपकी जरूरतों के अनुसार ही मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी अहम बातें बताते हैं, जिनसे आपको सही एयर फ्रायर खरीदने में मदद मिलेगी।

एयर फ्रायर की क्षमता पर दें ध्यानः एयर फ्रायर खरीदते समय उसकी क्षमता पर ध्यान दें। बाजार में अलग–अलग आकार और क्षमता वाले एयर फ्रायर मिलते हैं। अगर आपके परिवार में चार से पांच लोग हैं तो 5 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर चुनें, वहीं अगर आपका परिवार छोटा है तो 2.5 लीटर से 4 लीटर क्षमता वाला एयर फ्रायर काफी रहेगा। इसके अलावा अगर आप अक्सर मेहमानों के लिए खाना बनाते हैं तो 6 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर खरीदें।

तापमान नियंत्रण होना है जरूरीः एयर फ्रायर में तापमान नियंत्रण होना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आप अलग–अलग व्यंजनों को सही तापमान पर पका सकते हैं। कुछ एयर फ्रायर में केवल एक डायल होता है, जिससे तापमान सेट करना आसान होता है, वहीं कुछ में डिजिटल कंट्रोल पैनल होता है, जो अधिक सटीकता प्रदान करता है। अगर आप रोजाना एयर फ्रायर का इस्तेमाल करने वाले हैं तो बेहतर होगा कि आप डिजिटल कंट्रोल वाले एयर फ्रायर को प्राथमिकता दें।

आकार और डिजाइन पर दें ध्यानः एयर फ्रायर का आकार और डिजाइन भी महत्वपूर्ण होता है। आपको ऐसा एयर फ्रायर चुनना चाहिए, जो आपके रसोईघर में आसानी से फिट हो सके और देखने में भी अच्छा लगे। बाजार में मिलते एयर फ्रायर ज्यादातर स्टाइलिश होते हैं, जिन्हें आप अपने रसोईघर की सजावट के अनुसार चुन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप छोटे आकार का एयर फ्रायर खरीदेंगे तो इससे रसोई में अधिक जगह भी बचेगी।

अतिरिक्त सुविधाओं पर दें गौरः आजकल बाजार में ऐसे एयर फ्रायर भी उपलब्ध हैं, जिनमें अतिरिक्त सुविधाएं जैसे रोस्टिंग, ग्रिलिंग आदि शामिल होती हैं। अगर आप इन सुविधाओं का लाभ चाहते हैं तो इन्हें ध्यान में रखकर एयर फ्रायर खरीदें। इसके अलावा कुछ एयर फ्रायर में प्रीसेट्स होते हैं, जिससे आप एक बटन दबाकर ही विभिन्न व्यंजनों को आसानी से बना सकते हैं। इसके अलावा कुछ एयर फ्रायर में ऑटो शट ऑफ फीचर भी होता है, जो सुरक्षा के लिए अहम है।

ब्रांड और वारंटी पर ध्यान दें: ब्रांड का चुनाव करते समय उसकी विश्वसनीयता और ग्राहक सेवा पर ध्यान दें। अच्छे ब्रांड्स आमतौर पर बेहतर गुणवत्ता और ग्राहक सेवा प्रदान करते हैं। इसके अलावा एयर फ्रायर पर मिलने वाली वारंटी अवधि भी मायने रखती है। आमतौर पर 1 से 2 साल की वारंटी अवधि अच्छी मानी जाती है। इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सबसे उपयुक्त एयर फ्रायर चुन सकते हैं।